

हिन्दी दैनिक
गरीब दर्शन
सच की उड़ान
बिहार
वर्षः 05, पृष्ठ : 8 | अंक : 202
मूल्यः रू. 02.00
मोतिहारी, 21 नवंबर, शनिवार 2026
www.garibdarshan.com | facebook.com/garibdarshan
email Id: newsgaribdarshan@gmail.com

बिहटा के दो खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापा

दो किलो पका चिकन नष्ट; आटा, मैदा और हल्दी के नमूने लिए

तिरुपति बालाजी न्यूट्रिशन में स्वच्छता की कमी, कर्मचारियों के पास नहीं मिली स्वास्थ्य रिपोर्ट

गरीब दर्शन/पटना।



लोगों की सेहत से खिलवाड़ रोकने के लिए खाद्य संरक्षा विभाग ने शुक्रवार को बिहटा के दो खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की। जांच के दौरान खाद्य सुरक्षा मानकों की अनदेखी और स्वच्छता में लापरवाही सामने आई। टीम ने करीब दो किलो पका हुआ चिकन मौके पर नष्ट कराया, जबकि आटा, मैदा और हल्दी पाउडर के नमूने जांच के लिए संग्रहित किए। अनियमितताएं मिलने पर दोनों प्रतिष्ठानों को सुधारात्मक नोटिस जारी किया गया।

खुले आटे और मैदा के नमूने लेकर प्रतिष्ठान को थमाया नोटिसः खाद्य संरक्षा अधिकारियों की टीम ने बिहटा-आरा रोड स्थित तिरुपति बालाजी न्यूट्रिशन प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया। यहां खुले आटे और मैदा के नमूने लिए गए। जांच में प्रतिष्ठान में साफ-सफाई की पर्याप्त व्यवस्था नहीं मिली। कर्मचारियों के पास फेस मास्क और स्वास्थ्य संबंधी रिपोर्ट भी उपलब्ध नहीं थी। इसके अलावा पेस्ट कंट्रोल प्रमाणपत्र नहीं मिला और खाद्य उत्पादों के बैच नंबर की पहचान के लिए भी उचित व्यवस्था नहीं पाई गई। विभाग ने इन कमियों को दूर करने के लिए प्रतिष्ठान संचालक को सुधारात्मक नोटिस जारी किया।

होटल में अलग डीप फ्रीजर नहीं, दो किलो चिकन कराया नष्टः इसके बाद टीम ने बिहटा-कोइलवर रोड स्थित मेसर्स सोन हरदेव गुजराती होटल्स प्राइवेट लिमिटेड का निरीक्षण किया। यहां खाद्य पदार्थों के असुरक्षित भंडारण और खाद्य सुरक्षा मानकों से जुड़ी कमियां मिलने पर करीब दो किलोग्राम पका हुआ चिकन मौके पर नष्ट कराया गया। टीम ने हल्दी पाउडर का नमूना भी संग्रहित किया। जांच में पेयजल की गुणवत्ता संबंधी रिपोर्ट और कर्मचारियों की मेडिकल रिपोर्ट उपलब्ध नहीं मिली। नॉनवेज खाद्य पदार्थों के भंडारण के लिए अलग डीप फ्रीजर की व्यवस्था भी नहीं थी।

एल्युमिनियम के बर्तन और फाइबर की प्लेटे बदलने का निर्देशः निरीक्षण के दौरान होटल में कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता, प्लेटों और बर्तनों की सफाई तथा सैनिटाइजेशन में भी कमियां मिलीं। खाद्य संरक्षा अधिकारियों ने सभी एल्युमिनियम के बर्तन और फाइबर की सर्विंग प्लेटें बदलने के निर्देश दिए। साथ ही प्लेटों को अच्छी तरह धोने के बाद अनिवार्य रूप से सैनिटाइज करने और खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप अन्य कमियां दूर करने को कहा गया।

खाद्य सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर होगी कार्रवाईः खाद्य संरक्षा विभाग के अनुसार आम लोगों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए जिले में प्रतिष्ठानों की नियमित जांच की जा रही है। इस दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, सुरक्षित भंडारण, साफ-सफाई और कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

वैशाली से पीएम मोदी आज करेंगे 'नीतीश सेतु' का लोकार्पण

गरीब दर्शन/पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को बिहार दौरे पर आ रहे हैं। इससे पहले आज शुक्रवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पूर्व सीएम नीतीश कुमार से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की है। पीएम वैशाली से कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन पुल का उद्घाटन करेंगे, जिसका नाम नीतीश कुमार के नाम पर रखा गया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के वेलकम के लिए पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद गेट पर खड़े नजर आए। वहीं सम्राट चौधरी नीतीश कुमार खुद को आमंत्रित करने पहुंचे थे।

राजापाकर में पीएम की जनसभा होगीः उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री राजापाकर प्रखंड के जाफरपट्टी में प्रस्तावित इंडस्ट्रियल पार्क की आधारशिला रखेंगे। जाफरपट्टी में 1,234 से 1,243 एकड़ जमीन पर इंडस्ट्रियल पार्क विकसित किया जाएगा। इसमें करीब 30 हजार करोड़ रुपए के निवेश और एक लाख युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री 21 विभागों की 103 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे।पीएम यहां जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इस प्रोग्राम के लिए 2 लाख लोगों को पीला चावल देकर बुलाए जाएंगे। इसको लेकर बीजेपी कार्यकर्ता लोगों के घर-घर पीला चावल लेकर पहुंच रहे हैं।

जन्मभूमि फुलवरिया पहुंचे लालू, परिवार के साथ ताजा कीं बचपन और रिश्तों की यादें



गरीब दर्शन/फुलवरिया / गोपालगंज।

लंबे अंतराल के बाद शुक्रवार को राजद सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव अपने परिवार के साथ जन्मभूमि फुलवरिया पहुंचे। पत्नी राबड़ी देवी और बेटी रोहिणी आचार्य के साथ गांव पहुंचे लालू प्रसाद ने पुराने परिचितों और ग्रामीणों से मुलाकात की। परिवार के आगमन से फुलवरिया और आसपास के इलाकों में उत्साह का माहौल रहा। इस दौरान परिवार ने मंदिरों में पूजा-अर्चना की और अपने पुराने दिनों की यादें ताजा कीं। थावे में पूजा-अर्चना के बाद लालू प्रसाद यादव का काफिला राबड़ी देवी के मायके और अपने ससुराल सेलार कला पहुंचा। वहां राबड़ी देवी के भाई प्रभुनाथ यादव, रमाकांत यादव सहित परिवार के सदस्य और स्थानीय लोग स्वागत के लिए मौजूद थे। लालू प्रसाद का पारंपरिक तरीके से अभिनंदन किया गया। राबड़ी देवी ने मायके के आसपास के घरों में जाकर लोगों से मुलाकात की और उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने बेटी रोहिणी आचार्य को भी मायके पक्ष के रिश्तेदारों और परिचितों से मिलवाया। वर्षों बाद अपनों के बीच पहुंचने पर परिवार में आत्मीयता का माहौल दिखाई दिया। सेलार कला से निकलकर लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और रोहिणी आचार्य फुलवरिया पहुंचे। यहां पंचमंदिर में देवी-देवताओं के समक्ष पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना की। इसके बाद ग्रामीणों और पुराने परिचितों से बातचीत की। इसी क्रम में इंद्रासन यादव की पत्नी बहुरा देवी से मुलाकात कर उनका हाल जाना। बातचीत के दौरान लालू प्रसाद अपने चिर-परिचित सहज और मजाकिया अंदाज में नजर आए। उन्होंने पुराने दिनों से जुड़ी यादें भी साझा कीं। इसके बाद परिवार मरछिया देवी स्थित रेफरल अस्पताल परिसर पहुंचा और वहां प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। फिर पैतृक आवास पहुंचकर मां मरछिया देवी की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इस दौरान परिवार के सदस्य लवकुश यादव, नीतीश यादव और विशाल यादव सहित अन्य लोगों से मुलाकात हुई। वहीं राबड़ी देवी अपने गांव स्थित राबड़ी देवी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भी पहुंचीं। उन्होंने छात्र-छात्राओं से बातचीत की और विद्यालय परिसर में अपने बचपन की यादें ताजा कीं। पूरे दौरे में राजनीतिक गतिविधियों से इतर परिवार का पारिवारिक और आत्मीय पक्ष प्रमुखता से दिखाई दिया।

बीपीएससी परीक्षा कैलेंडर जारी: 72वीं सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 17 जनवरी को

गरीब दर्शन/पटना

बिहार में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए बड़ी खबर है। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने शुक्रवार को अपना नया परीक्षा कैलेंडर जारी किया है। इसमें टीआरई-4.0 के तहत 33,320 पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति से लेकर 72वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा (सिविल सेवा) तक की जानकारी दी गई है। कैलेंडर में 72वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा की तारीख 17 जनवरी 2027 निर्धारित की गई है। वहीं, TRE-4.0 की परीक्षा की तारीख फिलहाल तय नहीं की गई है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि कैलेंडर में दी गई सभी तिथियां संभावित हैं और इनमें बदलाव किया जा सकता है।

72वीं बीपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 17 जनवरी कोः आयोग के कैलेंडर के मुताबिक, 72वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के तहत 1189 पदों पर नियुक्ति होनी है। इसके लिए प्रारंभिक परीक्षा 17 जनवरी 2027 को प्रस्तावित है। सके अलावा 33वीं बिहार न्यायिक सेवा परीक्षा के तहत 173 पदों पर नियुक्ति होनी है। इसकी परीक्षा की तारीख फिलहाल निर्धारित नहीं की गई है। प्रोजेक्ट मैनेजर और ऑडिटर समेत अन्य पदों की परीक्षाओं को भी कैलेंडर में



शामिल किया गया है।

टीआरई-4.0 में 33,320 शिक्षकों की होगी बहालीः शिक्षक भर्ती की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए TRE-4.0 महत्वपूर्ण है। इसके तहत कुल 33,320 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। आयोग के कैलेंडर में इस भर्ती की प्रारंभिक परीक्षा की तारीख अभी TBD यानी तय नहीं की गई है। वहीं, सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी (AEDO) के 935 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया भी शामिल है। इसके लिए भी परीक्षा की तारीख घोषित नहीं हुई है।

कई परीक्षाओं के रिजल्ट और इंटरव्यू का भी जिक्रः कैलेंडर में 71वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के 1298 पदों का भी उल्लेख है। इसका प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट 6 नवंबर 2026 को प्रकाशित किया गया है। मुख्य परीक्षा 25 से 28 दिसंबर 2026 के बीच प्रस्तावित है। वहीं, 72वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के अलावा प्रॉसिक्यूशन ऑफिसर के 300 पदों की प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट 19 नवंबर को प्रकाशित किया गया है।

नवनियुक्त लोक अभियोजक मोहन ने संभाली जिम्मेदारी, निष्पक्ष न्याय का दिलाया भरोसा



गरीब दर्शन/सीतामढ़ी

जिला व्यवहार न्यायालय के वरीय अधिवक्ता रामहृदय उर्फ मोहन ने शुक्रवार को जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के समक्ष नवनियुक्त लोक अभियोजक के रूप में विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने न्यायिक दायित्वों का पूरी निष्ठा, निष्पक्षता और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि न्यायिक प्रक्रिया में किसी भी तरह के पक्षपात को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों को उनके किए की सजा दिलाने और निर्दोषों को न्याय सुनिश्चित कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम किया जाएगा। मोहन की नियुक्ति से अधिवक्ताओं और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। ब्रह्मर्षि सेना के संस्थापक अध्यक्ष अवनीश कुमार सिंह ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि मोहन न्यायिक क्षेत्र में दो दशक से अधिक का अनुभव रखते हैं। उनके लंबे अनुभव और कार्यकुशलता से जिले में अभियोजन से जुड़े मामलों के निष्पादन को नई गति मिलने की उम्मीद है। उन्होंने विश्वास जताया कि मोहन अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करेंगे। इस अवसर पर अशोक शर्मा, वाल्मीकि कुमार, गौतम कश्यप, धीरज ठाकुर, हरिओम कुमार, महेश कुमार, रजनीश बुल्लू, राहुल मिश्रा, बुलेट चौधरी, रजनीश कुमार, राहुल कुमार और दीपक कुमार सहित बड़ी संख्या में लोगों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

पीएम मोदी और सीएम योगी ने दी पंकज चौधरी को जन्मदिन की शुभकामनाएं, यूपी भाजपा अध्यक्ष ने जताया आभार

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री पंकज चौधरी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। पीएम मोदी ने ईश्वर से उनके सुखी और समृद्ध जीवन की कामना की। केंद्रीय राज्य मंत्री ने भी प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंकज चौधरी को जन्मदिन की बधाई देते हुए पत्र में लिखा, "आगामी 20 नवंबर को आपके जन्मदिवस के पावन अवसर की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। ईश्वर से प्रार्थना है कि आपका जीवन सुख, समृद्धि और आरोग्य से परिपूर्ण रहे।" पीएम मोदी ने आगे कहा, "सार्वजनिक जीवन में सेवा का प्रत्येक अवसर राष्ट्रनिर्माण के संकल्प को और अधिक सुदृढ़ करने का माध्यम होता है।







संक्षिप्त समाचार

लालगंज में शराब तस्करी का खुलासा! वार्ड सदस्य के घर के पीछे से अंग्रेजी शराब बरामद, पुलिस को चकमा देकर फरार हुआ आरोपी

गरीब दर्शन/लालगंज/पटेढ़ी बेलसर

वैशाली जिले के लालगंज थाना क्षेत्र के रिखर पंचायत अंतर्गत रिखर गांव के वार्ड संख्या- 08 में गुप्त सूचना के आधार पर लालगंज पुलिस ने शराब तस्करी के मामले में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने एक घर के पीछे से अंग्रेजी शराब की तीन बोतल, अंग्रेजी शराब की 15 फ्रूटी पैकेट तथा पांच खाली फ्रूटी पैकेट बरामद किए। हालांकि, छापेमारी के दौरान कथित शराब तस्कर मौके से फरार पाया गया। जानकारी अनुसार, जिस व्यक्ति के घर पर पुलिस ने छापेमारी की, उसकी पहचान चंदन कुमार राम, पिता स्वर्गीय जुगेश्वर राम के रूप में बताई जा रही है। चंदन कुमार राम वर्तमान में वार्ड संख्या 8 के वार्ड सदस्य हैं। साथ ही वे लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के दिव्यांग प्रकोष्ठ के लालगंज प्रखंड अध्यक्ष भी बताए जाते हैं। उनकी कई तस्वीरें हाजीपुर के सांसद चिराग पासवान के साथ भी सामने आई हैं। पुलिस ने शराब बरामदगी के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, छापेमारी के दौरान फरार व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कार्रवाई जारी है। इस घटना के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है।

शिक्षा विभाग की सख्ती बेअसर, बिना अनुमति पांच में से चार शिक्षक मिले गायब

गरीब दर्शन/गोपालगंज

गोपालगंज जिले में सरकारी विद्यालयों में शैक्षणिक व्यवस्था सुधारने के लिए शिक्षा विभाग लगातार निरीक्षण और कार्रवाई कर रहा है। जिला शिक्षा पदाधिकारी की सख्ती के बावजूद कुछ शिक्षक विभागीय निर्देशों की अनदेखी कर रहे हैं। इसका उदाहरण बैकुंठपुर प्रखंड के राजकीय प्राथमिक विद्यालय दिघवा दुबौली बाजार में देखने को मिला, जहां शुक्रवार को पदस्थापित पांच शिक्षक-शिक्षिकाओं में से केवल एक शिक्षक ही विद्यालय में उपस्थित मिले। शेष चार शिक्षक बिना सक्षम प्राधिकार की अनुमति और पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए गए।

लापरवाही पर पहले भी हो चुकी है कार्रवाईः जिले में विद्यालयों से अनुपस्थित रहने और कार्य में लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों की पहचान कर विभाग कार्रवाई कर रहा है। अब तक करीब आधा दर्जन शिक्षकों को अनियमितता और कार्य में लापरवाही के आरोप में निलंबित किया जा चुका है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि सभी शिक्षक निर्धारित समय पर विद्यालय पहुंचें और पठन-पाठन में किसी तरह की लापरवाही न बरतें। निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

विद्यालय में 70 विद्यार्थी थे उपस्थितः निरीक्षण के दौरान विद्यालय में सहायक शिक्षक वीरेंद्र कुमार उपस्थित मिले। प्रधान शिक्षिका आकस्मिक अवकाश पर थीं और विद्यालय का प्रभार वीरेंद्र कुमार को सौंपा गया था। इस दौरान विद्यालय में कुल 70 विद्यार्थी उपस्थित पाए गए। अन्य चार शिक्षकों की अनुपस्थिति की जानकारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, बैकुंठपुर को दे दी गई है। विभागीय सख्ती और स्पष्ट निर्देशों के बावजूद एक ही विद्यालय के चार शिक्षकों का बिना अनुमति अनुपस्थित रहना कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है। अब देखना होगा कि विभाग इस मामले में संबंधित शिक्षकों के विरुद्ध क्या कार्रवाई करता है।

पटेल मैदान में खादी हस्तशिल्प मेले में खरीदारी के लिए उमड़ रही भीड़

गरीब दर्शन/सहरसा

स्वदेशी वस्तुओं के प्रति लोगों का रुझान बढ़ाने और हस्तशिल्प उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पटेल मैदान में आयोजित खादी हस्तशिल्प मेले में खरीदारों की भीड़ जुट रही है। महिला विकास सेवा केंद्र की ओर से आयोजित यह मेला 6 से 25 नवंबर तक चलेगा। मेले में देश के विभिन्न राज्यों के खादी, कपड़े, आभूषण, हस्तनिर्मित वस्तुओं और घरेलू सजावट के सामान के स्टॉल लगाए गए हैं। मेला संयोजक सुधीर शर्मा ने बताया कि इस बार महिलाओं के लिए फैंसी ज्वेलरी, फिरोजाबाद की कांच की चूड़ियां और बनारसी साड़ियां खास आकर्षण हैं। सर्दी को देखते हुए बंडी, कुर्ता, कंबल, स्वेटर, शॉल, मफलर और मोजे की भी अच्छी मांग है। इसके अलावा लकड़ी के नक्काशीदार फर्नीचर और घर सजाने की आकर्षक वस्तुएं भी लोगों को पसंद आ रही हैं। मेले में झारखंड खादी भंडार, खादी ग्रामोद्योग देहरादून और बोकारो के उत्पादों के साथ गुजरात के कपड़े, कन्नौज का चंदन, सहारनपुर का फर्नीचर, भागलपुरी सिल्क की साड़ियां और चादरें, बंगाल के जूट बैग तथा कश्मीरी ऊनी वस्तुओं के स्टॉल लगाए गए हैं। फिरोजाबाद की चूड़ियां और राजकोट की फैंसी ज्वेलरी भी खरीदारों को आकर्षित कर रही हैं। सुधीर शर्मा के अनुसार, मेले में जिले के लोगों का अच्छा सहयोग मिल रहा है। ग्राहकों की सुविधा के लिए खाने-पीने की व्यवस्था के साथ बच्चों के मनोरंजन के साधन भी उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रशासन की ओर से सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं, जिससे लोग निश्चिंत होकर खरीदारी कर सकें। उन्होंने कहा कि खादी और हस्तनिर्मित स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग स्थानीय कारीगरों को रोजगार देने के साथ देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। ऐसे आयोजनों से कारीगरों को अपने उत्पाद बेचने का अवसर मिलता है और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए रास्ते खुलते हैं। उन्होंने लोगों से 25 नवंबर तक चलने वाले मेले में पहुंचकर खादी और हस्तशिल्प उत्पादों की खरीदारी करने की अपील की।

देवोत्थान एकादशी पर नारायणी नदी के घाटों व मठ मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओ की भीड़

गरीब दर्शन/हाजीपुर।

देवोत्थान एकादशी पर नारायणी नदी के घाटों व मठ मंदिरो में श्रद्धालुओ की भीड़ उमड़ पड़ी। कार्तिक मास शुक्लपक्ष की एकादशी तिथि में शुक्रवार को देवोत्थान एकादशी मनाई गई। इसे प्रबोधिनी एकादशी भी कहा जाता है। हालांकि श्रद्धालु शनिवार को भी देवोत्थान एकादशी मनाएंगे। व्रत रखते हुए मठ मंदिरों व आवासीय परिसरों में श्रद्धालुओ ने भगवान विष्णु की पूजा अर्चना कर मंगल कामना की। साथ ही तुलसी विवाह का पूजन किया। ऐतिहासिक नारायणी नदी के सभी घाट संस्कृति की छटा प्रकाशित थे। दिन ढलने तक श्राद्धालु स्नान व पूजा पाठ कर मोक्ष की कामना की। इसी के साथ चार महीने बाद शादी विवाह सहित सभी मांगलिक कार्य शुरू हो गया। अहले सुबह से ही श्रद्धालु नारायणी नदी के घाटों पर पहुंचना शुरू हो गए थे। उन्होंने स्नान ध्यान कर भगवान को जल अर्पित किया और पूजा अर्चना की। कोनहारा घाट, सीढ़ी घाट, पुल घाट, चित्रगुप्त घाट आदि पर सुबह से दिन ढलने तक भीड़ बनी रही। सबसे अधिक भीड़ गंगा गंडक संगम स्थल ऐतिहासिक कोनहारा घाट पर थी जहां पूजा अर्चना के बाद श्राद्धालुओ ने दान दिया। नदी तट पर ही कुछ भक्तों ने तुलसी विवाह का पूजन किया। मान्यता है कि कोनहारा घाट पर ही गज के करुण पुकार पर भगवान विष्णु दौड़ चले आये थे। महिलाएं गंगा जल में स्नान कर पूजा अर्चना की। आचार्य डॉ राजीव





नयन झा ने बताया कि पंचांग के अनुसार एकादशी तिथि शुक्रवार को शुभ 7.16 बजे शुरू हुई और शनिवार सुबह 6.32 बजे तक रहेगी। सभी एकादशी के व्रत में देवोत्थानी एकादशी का विशेष महत्व है। मान्यता है कि चातुर्मास में भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं, जिनका शयन काल देवोत्थानी एकादशी के दिन पूरा होता है। इस दिन गंगा स्नान के साथ तुलसी विवाह का आयोजन भी किया जाता है। उन्होंने बताया कि देवठान एकादशी से विवाह और मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो जाएगी।

पामरियो ने बच्चों की नजर उतारीः ऐतिहासिक नारायणी नदी के तटों पर स्नान पूजन के बाद मन्नत मांगने व उतारने का दौर भी चला। कोई श्राद्धालु बच्चो का मुंडन कराया तो किसी ने सत्यनारायण भगवान की कथा का आयोजन किया था। पामरियो से बच्चो की नजर उतरवाई जा रही थी तो कई श्राद्धालु गंगा पूजन कर मोक्ष की कामना करते दिखे। भूतखेली भी खूब हुई। एक श्राद्धालु ने बताया कि बुरी नजर से बचाने के लिए ऐसा किया जाता है। कई साधु संत मंत्र साधना की पूर्णाहुति करते भी दिखे। घाटों पर पुरा वातावरण श्रद्धा और भक्ति में डूबा रहा।

प्रशस्त स्क्रीनिंग में उदासीनता 57 स्कूलों में एक भी बच्चे की नहीं हुई जांच

गरीब दर्शन/हाजीपुर

सरकारी स्कूलों में प्रशस्त स्क्रीनिंग को लेकर बड़ी लापरवाही सामने आई है। 17 नवंबर तक के सरकारी आंकड़ों में 57 स्कूलों में एक भी बच्चे की जांच नहीं हुई है। सभी स्कूलों में ऑनबोर्डिंग पेंडिंग और स्क्रीनिंग नॉट स्टार्टेड दर्ज है, जिससे योजना पर सवाल उठ रहे हैं। बताते चले कि शिक्षा के क्षेत्र में प्रशस्त एक विशेष डिजिटल स्क्रीनिंग ऐप (असेसमेंट चेकलिस्ट) है, जिसका उपयोग स्कूलों में बच्चों की दिव्यांगताओं की पहचान के लिए किया जाता है। लेकिन जिले में शिक्षा विभाग के द्वारा बार बार निर्देश देने के बावजूद स्कूलों प्रधानाध्यापक उदासीन है। 17 नवंबर 2026 सुबह 6 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, हाजीपुर के 57 सरकारी विद्यालयों में एक भी विद्यार्थी की स्क्रीनिंग नहीं हुई है। जिला नोडल पदाधिकारी मनोज कुमार द्वारा जारी स्कूल-वार रिपोर्ट में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।रिपोर्ट के अनुसार सभी 57 विद्यालयों की स्थिति एक जैसी है — स्कूल ऑनबोर्डिंग पेंडिंग और स्क्रीनिंग नॉट स्टार्टेड। यानी न तो स्कूलों को पोर्टल पर ठीक से जोड़ा गया है और न ही बच्चों की जांच की प्रक्रिया शुरू की गई है। स्क्रीनिंग के कॉलम में सभी जगह 0 दर्ज है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि बड़े विद्यालय भी इससे अछूते नहीं हैं। सहयोगी हाई स्कूल, हाजीपुर में 941 विद्यार्थी हैं, लेकिन वहां भी स्क्रीनिंग शून्य है। राजकिशोर हाई स्कूल, युसूफपुर में 521, गवर्नमेंट एससी गर्ल्स हाई स्कूल, दिग्घी में 440, जीएमएस मीनापुर में 403, जीएमएस इमादपुर सुल्तान में 361, जीएमएस कुतुबपुर एकारा में 339 और यूएमएस नवादा कला में 514 बच्चों की स्क्रीनिंग अब तक नहीं हुई है।।प्रशस्त का उद्देश्य दिव्यांगता की पहचान, बच्चों की सीखने की कठिनाइयों को समय पर पकड़ना और उन्हें जरूरी सहायता पहुंचाना है। लेकिन हाजीपुर में यह योजना कागजों तक ही सिमट कर रह गई है। अगर समय पर स्क्रीनिंग नहीं हुई, तो जरूरतमंद बच्चे योजना के लाभ से वंचित रह जाएंगे।अभिभावकों और शिक्षाविदों का कहना है कि विभाग सिर्फ बैठक और रिपोर्ट तक सीमित है, जमीन पर काम नहीं हो रहा है। अब सवाल यह है कि जब सभी स्कूल पेंडिंग हैं तो जिम्मेदारी किसकी है? जिला प्रशासन को इस लापरवाही पर तुरंत संज्ञान लेकर स्क्रीनिंग शुरू करानी चाहिए, नहीं तो यह रिपोर्ट शिक्षा व्यवस्था की बड़ी विफलता को उजागर करती रहेगी। हालांकि शिक्षा विभाग ने जल्द से जल्द बच्चों की स्क्रीनिंग कराने के निर्देश दिए है। ऐसा नहीं होने के स्थिति में कार्रवाई की जाएगी।

आरोप साबित हुआ तो सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लूंगा : रितेश रंजन

गरीब दर्शन/सहरसा

नगर परिषद में कथित 70 लाख रुपये के वॉल पेंटिंग घोटाले में नाम उछाले जाने पर भाजपा नेता रितेश रंजन ने आरोपों को निराधार और राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित बताया है। उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा कि यदि किसी निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच में उनकी संलिप्तता साबित होती है तो वह सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लेंगे। शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने पूरे मामले की पारदर्शी जांच कराने की मांग की। रितेश रंजन ने कहा कि 18 नवंबर को लोजपा विधायक संजय सिंह के निर्देश पर आयोजित प्रेस वार्ता में उनकी छवि धूमिल करने के उद्देश्य से आरोप लगाए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह न तो नगर परिषद के अध्यक्ष हैं, न उपाध्यक्ष और न ही वार्ड पार्षद। जिस कंपनी को वॉल पेंटिंग का काम आवंटित किया गया है, उससे भी उनका कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि दिशा और बीस सूत्री की बैठकों में उन्होंने स्वयं वॉल पेंटिंग, हाईमास्ट लाइट और तिरंगा लाइट सहित नगर परिषद से जुड़े कई मुद्दे तथा कथित अनियमितताएं उठाई हैं। ये विषय संबंधित बैठकों की कार्यवाही और प्रस्तावों में दर्ज हैं। भाजपा नेता ने विधायक संजय सिंह से मामले की निष्पक्ष जांच कराने के साथ संबंधित कंपनी के निदेशक के कॉल रिकॉर्ड की विधिसम्मत जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि कॉल रिकॉर्ड में उनके मोबाइल नंबर से एक भी बातचीत प्रमाणित होती है अथवा जांच में उनकी संलिप्तता सामने आती है तो वह



राजनीति छोड़ देंगे। सांसद प्रतिनिधि बनाए जाने पर उठे सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि सांसद को नियमों के अनुरूप अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार है। यदि उनके किसी कार्य में अनियमितता, पद के दुरुपयोग या गलत गतिविधि की संलिप्तता प्रमाणित होती है तो वह तत्काल पद से इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन व्यक्तिगत द्वेष के कारण किसी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना उचित नहीं है। आरोप-प्रत्यारोप के बजाय निष्पक्ष जांच से सच्चाई सामने आनी चाहिए। गौरतलब है कि रितेश रंजन भाजपा बिहार प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य, लघु उद्योग प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक और सांसद प्रतिनिधि हैं।

युवा संसद प्रतियोगिता में , छात्र-छात्राओं ने निभाई सांसदों की भूमिका

गरीब दर्शन/हाजीपुर

नगर के दिग्घी स्थित सरस्वती विद्या निकेतन (मॉडल स्कूल) एसएमएस इंटर विद्यालय दिग्घी, हाजीपुर में शुक्रवार को युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के 15 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और संसद की कार्यवाही का जीवंत प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के प्रभारी शिक्षक उमेश कुमार प्रसाद सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों एवं युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्य, अनुशासन, सहिष्णुता, नेतृत्व क्षमता तथा जनप्रतिनिधि संस्थाओं के कार्य एवं प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से इस प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। उन्होंने कहा कि युवा संसद के माध्यम से बच्चे लोकतंत्र को किताबों से बाहर निकलकर व्यवहार में समझते हैं। इस अवसर पर शिक्षक राघवेंद्र कुमार ने बच्चों को मंत्रिमंडल के माध्यम से उनके कार्यों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री, मंत्री और प्रतिपक्ष नेता की क्या जिम्मेदारी होती है और संसद में सवाल-जवाब कैसे होते हैं। प्रतियोगिता में चंदा कुमारी ने अध्यक्ष, तनीषा कुमारी ने प्रधानमंत्री, रानी कुमारी ने उप प्रधानमंत्री, करीना कुमारी ने शिक्षा मंत्री, दीपमाला कुमारी ने स्वास्थ्य मंत्री, आंचल कुमारी ने स्वच्छता मंत्री, जोया कुमारी ने कला एवं संस्कृति मंत्री, अविनाश कुमार ने खेल मंत्री एवं दक्ष राज ने प्रतिपक्ष नेता की भूमिका अदा



की।

नेता प्रतिपक्ष ने विभागों के प्रगति की जानकारी मांगीः कार्यवाही के दौरान अध्यक्ष के माध्यम से प्रतिपक्ष नेता ने विभिन्न विभागों के कार्यों की प्रगति के बारे में जानने हेतु आग्रह किया। अध्यक्ष की अनुमति से विभिन्न विभागों के मंत्रियों ने अपने-अपने विभाग में होने वाले कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। अंत में प्रधानमंत्री ने कार्यों की समीक्षा प्रस्तुत करते हुए अपनी बातें रखीं। फिर अध्यक्ष की अनुमति से कार्यवाही समाप्त की गई। प्रतियोगिता से सराहनीय भूमिका निभाने वाले बच्चों को चयनित किया गया। चयनित प्रतिभागियों में अध्यक्ष की भूमिका में चंदा कुमारी, प्रधानमंत्री की भूमिका में तनिषा कुमारी, उप प्रधानमंत्री की भूमिका में रानी कुमारी, शिक्षा मंत्री की भूमिका में करीना कुमारी, खेल मंत्री की भूमिका में अविनाश कुमार तथा प्रतिपक्ष नेता के रूप में दक्ष राज को प्रस्तुति के लिए चयनित किया गया। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक नरेश प्रसाद ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार शिक्षक की दर्दनाक मौत, दो माह पहले ही हुआ था छोटे बेटे का जन्म

गरीब दर्शन/लालगंज/पटेढ़ी बेलसर



- लालगंज-हाजीपुर मुख्य मार्ग पर पोझिया हाट के पास हुआ हादसा, ओवरटेक के दौरान टक्कर मारकर फरार हुआ स्कॉर्पियो चालक; सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

वैशाली जिले में शुक्रवार को लालगंज-हाजीपुर मुख्य मार्ग पर पोझिया हाट के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार शिक्षक की मौत हो गई। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद उन्हें स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से लालगंज रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक मूल रूप से मुजफ्फरपुर जिले के रहने वाले थे और वर्तमान में हाजीपुर में किराये के मकान में अपने परिवार के साथ रहते थे। वे वैशाली स्थित प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। शुक्रवार को वे अपनी मोटरसाइकिल से हाजीपुर से स्कूल जा रहे थे। इसी दौरान लालगंज की ओर से हाजीपुर जा रही एक स्कॉर्पियो ने पोझिया हाट के पास उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

ओवरटेक के दौरान हुआ हादसाः प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कॉर्पियो चालक ओवरटेक करने के दौरान बाइक को टक्कर मारकर फरार हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि शिक्षक सड़क पर गिर पड़े और उनके सिर में गंभीर चोट आई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही 112 पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायल शिक्षक को लालगंज रेफरल अस्पताल ले गई। वहां डॉ. नम्रता कुमारी ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दो छोटे बच्चों के सिर से उठा पिता का सायाः इस दर्दनाक हादसे ने एक परिवार की खुशियां उजाड़ दीं। मृत शिक्षक के दो छोटे बच्चे हैं। बताया जा रहा है कि उनके छोटे बेटे का जन्म महज दो महीने पहले ही हुआ था। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना की सूचना मिलते ही कई शिक्षक अस्पताल पहुंचे। वहीं, पुलिस ने मृतक के परिजनों को भी हादसे की जानकारी दे दी है।

फरार स्कॉर्पियो चालक की तलाश में जुटी पुलिसः हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। लालगंज थाना पुलिस उसकी पहचान और गिरफ्तारी के लिए आसपास के विभिन्न स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल, हाजीपुर भेजने की प्रक्रिया में जुटी है। इस संबंध में लालगंज थानाध्यक्ष हरि प्रसाद राय ने बताया कि मृतक की पहचान कर उनके परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। फरार स्कॉर्पियो चालक की तलाश की जा रही है। इसके लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच की जा रही है।

भारत माला सड़क पर हादसों के खिलाफ 23 नवंबर को निकलेगा सर्वदलीय आक्रोश मार्च

गरीब दर्शन/सहरसा

भारत माला सहरसा-सुपौल सड़क पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं के विरोध में 23 नवंबर को बिहरा-पटोरी बाजार में सर्वदलीय आक्रोश मार्च निकाला जाएगा। शुक्रवार को सोशल क्लब पंचगछिया में पूर्व सांसद आनंद मोहन के नेतृत्व में आयोजित आपात बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में क्षेत्र के राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न वर्गों के गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया। तय कार्यक्रम के अनुसार, सुबह 11 बजे जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा और अपराह्न चार बजे आक्रोश मार्च निकलेगा।

बैठक में सड़क निर्माण में कथित खामियों और सुरक्षा इंतजामों की कमी पर चिंता जताई गई। वक्ताओं ने बताया कि कुछ महीनों में इस मार्ग पर 139 दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें कई लोगों की जान गई है और अनेक लोग गंभीर रूप से घायल होकर दिव्यांग हुए हैं। उनका कहना था कि जहां अंडरपास या ओवरब्रिज की जरूरत थी, वहां निर्माण नहीं कराया गया। बाजार



और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पर्याप्त रोशनी, जेब्रा क्रॉसिंग और चेतावनी संकेतों की भी व्यवस्था नहीं है। बैठक में कहा गया कि सड़क का उद्देश्य आम लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा देना है, न कि उनके लिए नई मुश्किलें खड़ी करना। वक्ताओं ने यह भी बताया कि योजना मद की करीब 150 करोड़ रुपये की राशि अभी शेष है।

इस राशि का उपयोग सड़क पर जरूरी सुरक्षा इंतजाम और अधूरे कार्य पूरे करने में करने की मांग उठाई गई।

पूर्व सांसद आनंद मोहन ने सड़क दुर्घटनाओं के साथ नई पीढ़ी में कोरेक्स, स्मैक और अन्य नशीले पदार्थों के बढ़ते चलन पर भी चिंता जताई। बैठक में अर्धनिर्मित स्टेडियम, प्रस्तावित म्यूजिक कॉलेज, सोशल क्लब पंचगछिया के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण तथा संगीत, कला और खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी चर्चा हुई।

बैठक में बताया गया कि विधायक चेतन आनंद इन मुद्दों को विधानसभा में उठाएंगे, जबकि सांसद लवली आनंद लोकसभा में आवाज उठाएंगी। बैठक की अध्यक्षता बरहशेर के पूर्व मुखिया चंद्रशेखर ठाकुर ने की और संचालन शिक्षक अनिल सिंह ने किया। मौके पर दिलीप झा, अजय कुमार बबलू, मास्टर मजीद, जयशंकर सिंह पप्पू, रोशन सिंह कन्हैया, राजकुमार चौधरी, राजकुमार सिंह, विनय ठाकुर, नरेश सिंह, अशोक कुमार सिंह, प्रीतेश सोनू, अधिवक्ता प्रभास, प्रांजल सुमन, भीम महतो, लोकेश सिंह, केशव सिंह, रंजीत सिंह, निलेश और मो. रहमान सहित कई लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

ढाका और घोड़ासहन में विशेष छापेमारी, सात बाल श्रमिक कराए गए विमुक्त

गरीब दर्शन / मोतिहारी।



श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग, बिहार के निर्देश पर शुक्रवार, 20 नवंबर 2026 को ढाका एवं घोड़ासहन प्रखंड क्षेत्र में विशेष धावा दल द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों में सघन जांच अभियान चलाया गया। श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, ढाका एवं घोड़ासहन के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में कुल सात बाल श्रमिकों को विमुक्त कराया गया। जांच के दौरान पांच प्रतिष्ठानों में बाल श्रमिकों से काम कराए जाने का मामला सामने आया। इनमें नीरज ऑटो रिपेयरिंग सेंटर घोड़ासहन, आर.के. मोटरसाइकिल वर्कशॉप घोड़ासहन और राजनंदनी राजलक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्कशॉप ढाका से एक-एक बाल श्रमिक, जबकि बालाजी ऑटो घोड़ासहन एवं मुमताज आलम रिपेयरिंग सेंटर ढाका से दो-दो बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया। सभी विमुक्त बाल श्रमिकों को बाल कल्याण समिति, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें बाल गृह में रखा गया है। वहीं, बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के तहत संबंधित नियोजकों के विरुद्ध थाने में प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। श्रम अधीक्षक सत्या प्रकाश ने बताया कि बच्चों से प्रतिष्ठानों में काम कराना कानूनन अपराध है। इस अधिनियम के तहत दोषी नियोजकों को 20 हजार से 50 हजार रुपये तक जुर्माना तथा दो वर्ष तक कारावास का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार प्रत्येक बाल श्रमिक के लिए नियोजकों से 20 हजार रुपये की राशि भी वसूल की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूर्वी चंपारण जिले में बाल श्रम के विरुद्ध यह अभियान लगातार जारी रहेगा। विशेष धावा दल में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, तुरकौलिया (प्रभारी ढाका), घोड़ासहन एवं पकड़ीदयाल के पदाधिकारी, प्रयास संस्था एवं ग्राम नियोजन केंद्र के प्रतिनिधि, पुलिस लाइन के छह जवान तथा एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की टीम शामिल रही।

हत्या के प्रयास मामले में दो गिरफ्तार

गरीब दर्शन / पीपरा कोठी



पुलिस ने थाना क्षेत्र के पंडितपुर बारा गाछी टोला स्थित वार्ड नंबर 11 में विशेष छापेमारी कर हत्या के प्रयास के मामले में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान पंडितपुर बारा गाछी निवासी हरदेव राय (59 वर्ष), पिता स्व. जोखन राय तथा मदन राय (40 वर्ष), पिता बलदेव राय के रूप में हुई है। दोनों के विरुद्ध हत्या के प्रयास से संबंधित धारा 109 बीएनएस के तहत मामला दर्ज है। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को विधिवत गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद माननीय न्यायालय में उपस्थापन के लिए भेज दिया है जमुरनी गांव में धूमधाम से मनाया गया दीनानाथ ब्रह्म जी महोत्सव, हरि कीर्तन, परिक्रमा और हवन में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

कार्तिक शुक्ल पक्ष एकादशी पर हर वर्ष होता है महोत्सव का आयोजन, संतान प्राप्ति की मनोकामना लेकर दूर-दराज से पहुंचती हैं महिलाएं

गरीब दर्शन /दुर्गावती /कैमूर

दुर्गावती प्रखंड अंतर्गत जमुरनी गांव में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी के अवसर पर दीनानाथ ब्रह्म जी महोत्सव बड़े ही धूमधाम, श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। महोत्सव को लेकर गांव में भक्तिमय माहौल बना रहा। इस धार्मिक आयोजन में जमुरनी गांव के समस्त ग्रामीणों के साथ-साथ आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने भाग लिया। महोत्सव के दौरान हरि कीर्तन, परिक्रमा और हवन का आयोजन एक साथ किया गया। श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव के साथ हरि कीर्तन और परिक्रमा कर सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना की। वहीं, हवन कार्यक्रम में भी महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पूरे आयोजन के दौरान भक्ति और आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला। बताया जाता है कि दीनानाथ ब्रह्म जी का पवित्र स्थान दुर्गावती प्रखंड के जमुरनी गांव के उत्तरी छोर पर कर्मनाशा नदी के तट पर स्थित है। इस स्थान को लेकर क्षेत्र के लोगों में गहरी आस्था और धार्मिक मान्यता जुड़ी हुई है। ऐसी मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मन्नत मांगने वाली माताओं एवं बहनों की मनोकामना दीनानाथ ब्रह्म जी की कृपा से पूरी होती है। विशेष रूप से संतान प्राप्ति की कामना लेकर महिलाएं यहां पूजा-अर्चना करने पहुंचती हैं। मनोकामना पूरी होने के बाद श्रद्धालु ब्रह्म जी के स्थान पर आकर वस्त्र अर्पित करते हैं और विधि-विधान से पूजा करते हैं। ग्रामीणों के अनुसार, पौराणिक मान्यता है कि दीनानाथ ब्रह्म जी और पारायण ब्रह्म जी दोनों अपनी-अपनी पत्नियों के साथ लगभग पांच एकड़ में फैले एक बगीचे में समाधिस्थ हुए थे। तभी से गांव के लोग उनकी पूजा-अर्चना करते आ रहे हैं। समय के साथ यह परंपरा ग्रामीणों की आस्था और विश्वास का महत्वपूर्ण केंद्र बन गई है। दीनानाथ ब्रह्म जी महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि गांव की वर्षों पुरानी परंपरा, आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। इस अवसर पर ग्रामीण एकजुट होकर आयोजन को सफल बनाते हैं और आने वाली पीढ़ियों तक अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को पहुंचाने का संकल्प निभाते हैं।

महिला सशक्तिकरण के लिए सामाजिक सोच में बदलाव जरूरी : कुलपति

गरीब दर्शन/सहरसा



रमेश झा महिला महाविद्यालय, सहरसा में शुक्रवार को लैंगिक संवेदनशीलता एवं महिला सशक्तिकरण विषय पर छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का उद्घाटन हुआ। एमएमटीटीसी, मुजफ्फरपुर के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) बी.एस. झा ने किया। अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) उषा सिन्हा ने की। कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति ने महाविद्यालय के संस्थापक रमेश झा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर की। इसके बाद दीप प्रज्ज्वलित कर आयोजन का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के नोडल पदाधिकारी प्रो. नरेश कुमार और कार्यक्रम समन्वयक डॉ. वरुण कुमार मौजूद रहे। कुलपति प्रो. बी.एस. झा ने कहा कि महिला शिक्षा समाज के सर्वांगीण विकास की आधारशिला है। बेटियां शिक्षित और सशक्त होंगी, तभी समाज मजबूत बनेगा। उन्होंने बिहार सरकार की जीविका दीदी पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है। उन्होंने महाविद्यालय की इस पहल की सराहना की। प्राचार्या प्रो. उषा सिन्हा ने कहा कि लैंगिक संवेदनशीलता और महिला सशक्तिकरण समाज के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषय हैं। वहीं प्रो. नरेश कुमार ने कार्यक्रम को शिक्षकों के लिए सीखने और स्वयं को विकसित करने का बेहतर अवसर बताया। टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई की प्रो. निशी मित्रा वॉम बर्ग ने कहा कि लैंगिक समानता के लिए केवल नीतिगत बदलाव पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए पितृसत्तात्मक सोच, रूढ़िवादी मान्यताओं और सामाजिक धारणाओं में परिवर्तन जरूरी है। दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. सुमित पाठक ने महिलाओं के संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने समानता, स्वतंत्रता और गरिमापूर्ण जीवन के संवैधानिक प्रावधानों को सामाजिक व्यवहार में लागू करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक उपस्थित रहे।

63 वर्षों से चली आ रही धार्मिक परंपरा: सिसहनी के लक्ष्मीनारायण घाट पर छह दिवसीय यज्ञ शुरू

- 501 कन्याओं ने निकाली भव्य कलश शोभायात्रा
- कार्तिक पूर्णिमा पर उमड़े श्रद्धालु
- पूजा-अर्चना के साथ मेले में झूले और सांस्कृतिक कार्यक्रम बने आकर्षण





गरीब दर्शन / पकड़ीदयाल

गंगा स्नान और कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर पकड़ीदयाल प्रखंड क्षेत्र के सिसहनी पंचायत स्थित लक्ष्मीनारायण घाट पर भक्ति और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। यहां छह दिवसीय यज्ञ के शुभारंभ पर 501 कन्याओं ने भव्य कलश शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस दौरान पूरा क्षेत्र जय श्रीराम के जयकारों से गुंजायमान रहा।

63 वर्षों से कायम है धार्मिक परंपरा: लक्ष्मीनारायण घाट पर आयोजित होने वाला यह धार्मिक यज्ञ पिछले 63 वर्षों से लगातार परंपरागत रूप से होता आ रहा है। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर यहां लाखों श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए पहुंचते हैं। इस ऐतिहासिक आयोजन के कारण लक्ष्मीनारायण घाट की क्षेत्र में अलग पहचान बनी हुई है।

धार्मिक अनुष्ठान के साथ मनोरंजन की भी व्यवस्था: छह दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में पूजा-पाठ, वैदिक अनुष्ठान और आध्यात्मिक कार्यक्रमों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं और मेले में आने वाले लोगों के मनोरंजन के लिए टावर झूला, ब्रेक डांस सहित विभिन्न प्रकार के झूले लगाए गए हैं। वहीं, रंग-बिरंगे खेल-खिलौनों की दुकानों से मेला सज गया है। बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

संत-महात्माओं की उपस्थिति बनी आकर्षण: यज्ञाचार्य श्री भगवान तिवारी के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जा रहे हैं। वहीं संत श्री श्री 108 चक्र सुदर्शन जी महाराज की उपस्थिति श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण बनी हुई है। यज्ञ के यजमान वीरेंद्र साह अपनी धर्मपत्नी के साथ विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना कर रहे हैं। कुल मिलाकर सिसहनी का लक्ष्मीनारायण घाट इन दिनों भक्ति, आस्था और मेले के रंग में सराबोर है। 63 वर्षों से चली आ रही यह धार्मिक परंपरा क्षेत्र की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को सहेजने का कार्य कर रही है।

अवैध शराब के कारोबार पर लगेगी लगाम

अब क्यूआर कोड स्कैन कर गुप्त रूप से करें शिकायत

गरीब दर्शन / मोतिहारी



जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए मद्यनिषेध विभाग ने एक नई पहल शुरू की है। अब आम नागरिक क्यूआर कोड स्कैन कर शराब के अवैध कारोबार से जुड़ी शिकायत गुप्त रूप से विभाग तक पहुंचा सकेंगे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने में आम लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करना है। क्यूआर कोड के माध्यम से नागरिक अपने आसपास होने वाले अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, बिक्री एवं परिवहन से संबंधित जानकारी विभाग को दे सकेंगे।

विभाग के अनुसार, इस सुविधा से शिकायतकर्ताओं की पहचान गोपनीय रखने में मदद मिलेगी। प्राप्त सूचनाओं के आधार पर मद्यनिषेध विभाग की टीम त्वरित कार्रवाई कर सकेगी। इसके लिए जिले के सभी शिक्षण संस्थानों, सरकारी संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थानों पर क्यूआर कोड लगाए गए हैं।

मद्यनिषेध विभाग के सहायक आयुक्त ओम प्रकाश ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अवैध शराब के कारोबार की जानकारी विभाग को देकर नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

तीन दिनों से आमरण अनशन पर बैठे सरपंच की सुध लेने नहीं पहुंचे अधिकारी

- सरपंच संघ ने जताई नाराजगी
- प्रशासन की उदासीनता पर संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी
- पंचायत सरकार भवन के निर्माण स्थल में बदलाव की मांग



गरीब दर्शन/तुरकौलिया

प्रखंड कार्यालय परिसर में अपनी मांगों को लेकर पिछले तीन दिनों से आमरण अनशन पर बैठे जयसिंहपुर पूर्वी पंचायत के सरपंच बृजकिशोर सिंह की सुध लेने अब तक कोई प्रशासनिक पदाधिकारी नहीं पहुंचा है। प्रशासन की इस उदासीनता पर प्रखंड सरपंच संघ ने कड़ी नाराजगी जताई है। गुरुवार को सरपंच संघ के अध्यक्ष विजय कुमार सिंह अनशन स्थल पर पहुंचे और अनशनकारी सरपंच के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि तीन दिनों से एक जनप्रतिनिधि भूखे-प्यासे अनशन पर बैठा है, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई पहल नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों से सरपंच की मांगों पर गंभीरता से विचार कर जल्द समाधान निकालने की मांग की।

अनशन पर बैठे सरपंच बृजकिशोर सिंह का कहना है कि जयसिंहपुर पूर्वी पंचायत में बन रहे पंचायत सरकार भवन का निर्माण पंचायत के एक छोर पर कराया जा रहा है, जबकि पंचायत के बीचोंबीच भी इसके लिए जमीन उपलब्ध है। बीच में भवन बनने से सभी वार्डों के लोगों को सुविधा होगी, जबकि एक छोर पर निर्माण होने से दूसरे छोर के ग्रामीणों को काफी दूरी तय करनी पड़ेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रस्तावित निर्माण स्थल के पास छठ घाट और श्मशान घाट भी स्थित हैं, जिससे धार्मिक आस्था और परंपराओं से जुड़े इन स्थलों के प्रभावित होने की आशंका है। इस संबंध में प्रशासन को जानकारी देने के बावजूद निर्माण स्थल में बदलाव नहीं किया गया। इसी के विरोध में वे 17 नवंबर से आमरण अनशन पर बैठे हैं।

सरपंच ने कहा कि जनता की सुविधा और हित के लिए वे किसी भी कुर्बानी से पीछे नहीं हटेंगे। वहीं, सरपंच संघ अध्यक्ष विजय कुमार सिंह ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द उनकी मांगों पर विचार नहीं किया तो प्रखंड के सभी सरपंच आंदोलन में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि अनशन के दौरान सरपंच को कोई नुकसान होता है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इधर, समर्थकों ने बताया कि लगातार अनशन के कारण सरपंच की तबीयत बिगड़ रही है। उन्होंने प्रशासन से अविलंब वार्ता कर समस्या का समाधान निकालने की मांग की है।

श्याम जयंती महोत्सव के तीसरे दिन निकली भव्य निशान शोभा यात्रा





- बड़ी संख्या में पुरुष तथा महिला श्रद्धालुओं ने की शहर परिक्रमा
- शहरवासियों ने की पुष्प वर्षा

गरीब दर्शन/मोतिहारी

शहर के हेनरी बाजार स्थित श्याम मंदिर परिसर में आयोजित श्री श्याम जयंती महोत्सव के दूसरे दिन शुक्रवार को प्रातः निशान शोभायात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिलाओं एवं पुरुषों ने भाग लिया। सभी ने श्याम का निशान हाथों में उठा रखा था। वहीं घोड़े के रथ पर बाबा श्याम का अलौकिक दरबार सजा हुआ था। शोभायात्रा श्री श्याम मंदिर से आरंभ होकर पंचमंदिर चौक, धर्म समाज चौक, मधुबन छावनी चौक, मेन रोड, ज्ञान बाबू चौक व तेलिया पट्टी चौक होते हुए वापस समारोह स्थल पर पहुंची। इस क्रम में आलोक ग्रुप कोलकाता के कलाकारों के द्वारा महादेव, मां पार्वती, हनुमान जी, राधे कृष्ण की जीवन्त झांकियां सजाई गई थीं। शोभा यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए जल की व्यवस्था कमेटी के द्वारा की गई थी एवं मार्ग में श्रद्धालुओं के द्वारा बाबा श्याम के दरबार रथ को ठहरा कर उनकी पूजा-अर्चना कर प्रसाद बांटा गया। शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा व इत्र की वर्षा की गई। सभी श्रद्धालु नाच-गा रहे थे। साथ ही भजनों की अमृत गंगा बह रही थी। श्याम सरकार की जय, लखदातार की जय, हारे के सहारे की जय, तीन बाण धारी की जय, भक्तों के रखवाले की जय, खाटू नरेश की जय जैसे नारों से पूरा वातावरण गूंज रहा था। शोभायात्रा मंदिर प्रांगण में पहुंचने के पश्चात सभी श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम को अपना निशान अर्पित किया । उसके बाद बाबा श्याम की आरती हुई आरती के बाद सभी श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया।

अचानक लगी आग से घर जलकर राख, लाखों की संपत्ति का नुकसान



गरीब दर्शन / मलाही

अनुमंडल क्षेत्र के मिश्री टोला गांव में बुधवार की देर रात अचानक आग लगने से नजमा खातून पति नूर हसन मियां का घर जलकर राख हो गया। अगलगी की इस घटना में लाखों रुपये की संपत्ति के नुकसान का अनुमान है।

मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता का पक्का मकान था, जिसकी छत टीन की बनी हुई थी। रात में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और घर में रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में बकरी, मुर्गी, साइकिल, पाड़ी, अनाज सहित अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गए।

घटना की सूचना मिलने पर मलाही और पहाड़पुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं, अग्निशमन दल ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

इस संबंध में अंचलाधिकारी ने बताया कि अभी तक पीड़िता की ओर से आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रिश्तों में मधुरता के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण जरूरी : बीके उषा दीदी

- नेपाल के कलैया में तीन दिवसीय आध्यात्मिक प्रवचन माला का शुभारंभ
- वरिष्ठ राजयोगिनियों ने किया उद्घाटन



गरीब दर्शन / मोतिहारी

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से नेपाल के कलैया में आयोजित तीन दिवसीय आध्यात्मिक प्रवचन माला का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन माउंट आबू मुख्यालय से पधारी वरिष्ठ राजयोगिनी बीके उषा दीदी, नेपाल प्रमुख राजयोगिनी राज दादी एवं अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर बीके रवीना दीदी, बीके मीना दीदी, बीके राम सिंह भाई एवं बीके जमुना दीदी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नेपाल और भारत के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ब्रह्माकुमार भाई-बहनों ने भाग लिया। नेपाल के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचीं ब्रह्माकुमारी बहनों ने अतिथियों का तिलक लगाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नेपाल प्रमुख राजयोगिनी राज दादी ने कहा कि बाबा की नेपाल भूमि से विशेष आत्मीयता रही है। उनके लगातार नेपाल आगमन के कारण यहां संस्था की आध्यात्मिक एवं सामाजिक सेवाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। उन्होंने बीके उषा दीदी का स्वागत करते हुए कहा कि गीता के आध्यात्मिक रहस्यों पर उनकी विशेष पकड़ है और एक प्रभावशाली मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में उन्होंने विश्वभर में अपनी पहचान बनाई है। प्रवचन माला के प्रथम दिन 'रिश्तों में मधुरता एवं सकारात्मकता' विषय पर संबोधित करते हुए बीके उषा दीदी ने कहा कि जन्म-मरण के चक्र में आते-आते आत्मा की शक्तियां कमजोर होती गई हैं। इसके कारण मनुष्य कई बार सही और गलत के बीच निर्णय नहीं कर पाता। यही स्थिति रिश्तों में कटुता और दूरियां बढ़ने का प्रमुख कारण बनती है। सहज राजयोग के नियमित अभ्यास से आत्मा को पुनः शक्तिशाली बनाकर रिश्तों में मधुरता लाई जा सकती है।

उन्होंने कहा कि मन, बुद्धि और इंद्रियां विकारों के कार्यक्षेत्र हैं। इसलिए मन को सकारात्मक दिशा देना और इंद्रियों पर नियंत्रण रखना आवश्यक है। परमात्मा का संदेश है कि आत्मबल को पहचानकर मन को वश में किया जा सकता है। बीके उषा दीदी ने कहा कि जीवन में सकारात्मकता बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति के प्रति शुभभावना और शुभकामना रखनी चाहिए। किसी के प्रति बदले या प्रतिशोध की भावना नहीं रखनी चाहिए। सभी के प्रति शुभकामनाएं रखने से दूसरों की दुआएं प्राप्त होती हैं और इन दुआओं में जीवन को सही दिशा देने की अपार शक्ति होती है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक सशक्तिकरण के माध्यम से व्यक्ति अपने विचारों, व्यवहार और संस्कारों में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। इससे न केवल स्वयं का जीवन सुंदर बनता है, बल्कि पारिवारिक एवं सामाजिक रिश्तों में भी मधुरता आती है। तीन दिवसीय इस प्रवचन माला के माध्यम से नेपाल में आध्यात्मिक जागृति, सकारात्मक चिंतन और पारिवारिक संबंधों को मजबूत बनाने का संदेश दिया जा रहा है।

जिंदगी का जज्बा जिंदा है तो इंसान की हस्ती भी जिंदा है



बिमल सर्राफ

जीवन की असली खूबसूरती इस बात में नहीं है कि हमारे पास कितना धन, कितनी सुविधाएं या कितनी बड़ी पहचान है। उसकी सार्थकता इस बात में है कि विपरीत परिस्थितियों के बीच भी हम अपने भीतर की मुस्कान, आत्मविश्वास और उम्मीद को कितना बचाए रख पाते हैं। जिंदगी का आनंद परिस्थितियों से भागने में नहीं, बल्कि उनका सामना करते हुए अपने भीतर के उत्साह को जीवित रखने में है। जिसके मन में जीने का जज्बा है, उसके लिए कठिन से कठिन समय भी जिंदगी का अंत नहीं, एक नया अनुभव होता है।

आज का जीवन भागदौड़, प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के बोझ से घिरा हुआ है। हर व्यक्ति किसी न किसी दौड़ में शामिल है। कोई धन के पीछे भाग रहा है तो कोई पद और प्रतिष्ठा के लिए अपनी ऊर्जा खर्च कर रहा है। इस आपाधापी में अक्सर हम यह भूल जाते हैं कि जीवन की वास्तविक पूंजी मन का संतोष, व्यवहार की सरलता और कर्मों की ईमानदारी है। चेहरे की मुस्कान और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता ऐसी संपत्ति है, जिसे बाजार में खरीदा नहीं जा सकता।

कर्म ही बनाते हैं पहचानः सम्मान कभी मांगने से नहीं मिलता, उसे अपने आचरण और कर्मों से अर्जित करना पड़ता है। ईमानदारी और लगन से किया गया कार्य समय के साथ अपनी पहचान बना लेता है। सच्चा व्यक्ति प्रचार और दिखावे के सहारे प्रतिष्ठा पाने की कोशिश नहीं करता। उसका चरित्र ही उसकी पहचान बनता है। इसलिए जरूरी है कि हम ऐसा काम करें, जिस पर स्वयं हमें गर्व हो और जिससे दूसरों को भी प्रेरणा मिले। गलत रास्ते से मिली बड़ी सफलता की तुलना में ईमानदारी से अर्जित छोटी उपलब्धि कहीं अधिक मूल्यवान होती है।

त्याग के साथ आत्मसम्मान भी जरूरीः त्याग जीवन का महत्वपूर्ण गुण है, लेकिन त्याग का अर्थ अपने अस्तित्व और आत्मसम्मान को मिटा देना नहीं है। हर जगह अपनी भावनाएं और ऊर्जा खर्च करना समझदारी नहीं। दोपहर में दीपक जलाने से अंधकार दूर नहीं होता, बल्कि उसका तेल व्यर्थ खर्च होता है। जीवन में भी समय और समर्पण वहीं लगाना चाहिए, जहां उसकी सार्थकता हो। दूसरों के लिए जीना अच्छी बात है, लेकिन अपने आत्मसम्मान और मानसिक शांति की कीमत पर नहीं। प्रेम और उदारता के साथ विवेक का होना भी आवश्यक है।

संघर्ष से ही निखरता है व्यक्तित्वः जीवन ठहरने का नहीं, निरंतर आगे बढ़ने का नाम है। बहता पानी अपनी राह स्वयं बनाता है, जबकि ठहरा हुआ पानी अपनी उपयोगिता खोने लगता है। मनुष्य के जीवन में भी संघर्ष की यही भूमिका है। कठिनाइयां हमें धैर्य, साहस और आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाती हैं। परिस्थितियां हमेशा हमारे नियंत्रण में नहीं होतीं, लेकिन उनका सामना किस दृष्टिकोण से करना है, यह हमारे हाथ में है। कोई व्यक्ति मुसीबतों से टूट जाता है तो कोई उन्हीं परिस्थितियों में तपकर और मजबूत होकर निकलता है।

सच्चाई और संवेदना जीवन की असली ताकतः अच्छी सोच और सकारात्मक दृष्टिकोण कठिन रास्तों को भी आसान बना देते हैं। निःस्वार्थ भाव से की गई सेवा, सच्चे मन से की गई प्रार्थना और किसी के लिए की गई शुभकामना कभी व्यर्थ नहीं जाती। उसका परिणाम भले ही तुरंत दिखाई न दे, लेकिन वह मन को संतोष और जीवन को अर्थ जरूर देती है। इसी तरह सच्चाई का रास्ता कठिन हो सकता है, लेकिन वह आत्मविश्वास को कमजोर नहीं होने देता। छल और कपट से क्षणिक सफलता तो मिल सकती है, स्थायी सम्मान नहीं।

रिश्तों की खूबसूरती भी स्वार्थ से नहीं, विश्वास और अपनत्व से कायम रहती है। किसी के दुख में साथ खड़ा होना, उसकी परेशानी को समझना और बिना किसी अपेक्षा के मदद करना इंसानियत की पहचान है। आज जब जरूरत और मतलब के आधार पर रिश्ते बनने-बिगड़ने लगे हैं, तब बिना स्वार्थ के किसी के मन में जगह बनाना बड़ी उपलब्धि है। किसी के काम आना अच्छी बात है, लेकिन किसी के मन का बन जाना उससे भी बड़ी बात है।

विवेक के साथ विश्वास जरूरीः सरलता और विश्वास जीवन के सुंदर गुण हैं, लेकिन इनके साथ विवेक और सतर्कता भी जरूरी है। महाभारत का शकुनि छल और षड्यंत्र का प्रतीक था। जीवन में भी ऐसे लोग और परिस्थितियां मिलती हैं, जहां स्वार्थ और गलत सलाह के कारण अच्छे लोग उलझ जाते हैं। इसलिए विश्वास जरूर करें, लेकिन आंखें बंद करके नहीं। प्रेम करें, लेकिन आत्मसम्मान के साथ। आगे बढ़ें, लेकिन अपने संस्कारों और सिद्धांतों को पीछे छोड़कर नहीं। मेहनत से कमाया गया धन भले धीरे-धीरे जीवन को समृद्ध करे, लेकिन गलत साधनों से अर्जित संपत्ति मन की शांति और प्रतिष्ठा दोनों छीन सकती है। धन जरूरत है, चरित्र पहचान है।

जिम्मेदारियां भी जीवन का बोझ नहीं, बल्कि अपनी क्षमता साबित करने का अवसर हैं। उनसे भागने के बजाय उन्हें स्वीकार करना व्यक्ति को परिपक्व बनाता है। इसी तरह आनंद का अर्थ जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ना नहीं, बल्कि उन्हें निभाते हुए भी अपने भीतर की खुशी को बचाए रखना है। छोटी-छोटी खुशियों में आनंद खोजना, अपनों के साथ समय बिताना, प्रकृति को महसूस करना और किसी निराश व्यक्ति को उम्मीद देना भी जीवन की बड़ी उपलब्धियां हैं। जिंदगी की मस्ती किसी दिखावे या मनमानी का नाम नहीं, बल्कि अपने मूल्यों, सपनों और आत्मसम्मान के साथ जीने की कला है। दूसरों से तुलना करते रहने वाला व्यक्ति अपनी खुशियों का हिसाब कभी पूरा नहीं कर पाता। संतोष ही सुख का आधार है और आत्मविश्वास ही आगे बढ़ने की ताकत। दुनिया की स्वार्थ भरी दौड़ में अपनी इंसानियत को बचाए रखना ही सबसे बड़ी जीत है। जिसके मन में विश्वास, कर्म में ईमानदारी, व्यवहार में अपनापन और सोच में उम्मीद जिंदा है, उसकी जिंदगी का जज्बा भी जिंदा है और उसकी हस्ती भी।

रोहिंग्या नरसंहार पर आईसीजे का ऐतिहासिक फैसला

डॉ. हिदायत अहमद खान



अत्याचार दुनियां के किसी भी हिस्से में क्यों न हो, उससे मानवता शर्मसार होती ही है। वर्तमान में यहां बात हम म्यांमार में हुए नरसंहार की कर रहे हैं, जिसे लेकर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने अहम फैसला सुनाया है। दरअसल म्यांमार में रोहिंग्या अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हुए नरसंहार पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) का फैसला केवल एक देश के अपराधों पर न्यायिक टिप्पणी नहीं है, बल्कि यह पूरी दुनिया के लिए मानवाधिकारों और अंतर्राष्ट्रीय कानून के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साबित करने की चुनौती भी है। हेग स्थित अदालत ने 9-6 के बहुमत से म्यांमार को 2017 में राखाइन प्रांत में रोहिंग्या समुदाय के खिलाफ नरसंहार का जिम्मेदार ठहराया है। अदालत के इतिहास में यह पहला अवसर है, जब उसने किसी देश को नरसंहार करने का जिम्मेदार पाया है। इस फैसले ने उन लाखों लोगों की पीड़ा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कानूनी मान्यता दी है, जिन्हें अपनी जमीन, घर और पहचान छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि म्यांमार की सुरक्षा बलों की कार्रवाई को केवल उग्रवाद के खिलाफ अभियान बताकर उचित नहीं ठहराया जा सकता।

सुनवाई के दौरान सामने आए साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने माना कि रोहिंग्या नागरिकों की हत्या, महिलाओं के साथ व्यापक यौन हिंसा, बच्चों पर अत्याचार और गांवों को योजनाबद्ध तरीके से नष्ट करने की घटनाएं एक बड़े उद्देश्य का हिस्सा थीं। अदालत के अनुसार, उपलब्ध साक्ष्यों से यही निष्कर्ष निकलता है कि म्यांमार का इरादा उत्तरी राखाइन में रोहिंग्या आबादी के एक बड़े हिस्से को समाप्त करना था। फैसले में करीब 10 हजार लोगों की हत्या के साक्ष्यों का उल्लेख किया गया है।

इस मामले की शुरुआत नवंबर 2019 में हुई थी, जब अफ्रीकी देश गाम्बिया ने 1948 के संयुक्त राष्ट्र नरसंहार रोकथाम और दंड संबंधी समझौते के तहत म्यांमार के खिलाफ मुकदमा दायर किया। उसे इस्लामिक सहयोग संगठन के 57 देशों का समर्थन मिला। जनवरी 2020 में अदालत ने म्यांमार को रोहिंग्या समुदाय की सुरक्षा और नरसंहार से जुड़े साक्ष्यों को सुरक्षित रखने के अंतरिम निर्देश भी दिए गए थे। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद आया मौजूदा फैसला इस बात का प्रमाण है कि छोटे देश भी अंतर्राष्ट्रीय कानून के सहारे शक्तिशाली देशों को जवाबदेह ठहराने की पहल कर सकते हैं। इस फैसले का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि रोहिंग्या संकट अब केवल म्यांमार का आंतरिक मामला नहीं रह गया है। 2017 की सैन्य कार्रवाई के बाद सात लाख से अधिक रोहिंग्या बांग्लादेश भागने को मजबूर हुए। आज भी बड़ी संख्या में शरणार्थी कॉक्स बाजार के शिविरों में कठिन परिस्थितियों में रह रहे हैं। उनके सामने भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा जैसी गंभीर समस्याएं हैं। बांग्लादेश पर भी इन शरणार्थियों की मेजबानी का आर्थिक और सामाजिक दबाव बना हुआ है। ऐसे में अदालत का सुरक्षित, स्वैच्छिक और सम्मानजनक वापसी का निर्देश महत्वपूर्ण है, लेकिन वापसी तभी संभव होगी जब म्यांमार में उनकी नागरिकता, पहचान, संपत्ति और सुरक्षा के अधिकार सुनिश्चित हों।

अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों के संदर्भ में भी यह फैसला दूरगामी महत्व रखता है। गाजा में इजराइल के सैन्य अभियान को लेकर दक्षिण अफ्रीका ने अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में नरसंहार समझौते के उल्लंघन का मामला दायर किया है। इसी तरह रूस-यूक्रेन युद्ध से जुड़ा विवाद भी नरसंहार समझौते के दायरे में अदालत के सामने है। म्यांमार के मामले में अदालत ने नरसंहार के इरादे को साबित करने के लिए जिस तरह परिस्थितिजन्य साक्ष्यों और घटनाओं के व्यापक स्वरूप का मूल्यांकन किया है, उस पर दूसरे मामलों में भी चर्चा होगी। हालांकि, म्यांमार का फैसला गाजा या यूक्रेन के मामलों का स्वतः निर्णय नहीं है। प्रत्येक मामले में उपलब्ध साक्ष्यों और कानूनी परिस्थितियों के आधार पर अलग निष्कर्ष निकाला जाएगा। फैसले के बाद सबसे बड़ी चुनौती उसके क्रियान्वयन की है। आईसीजे के निर्णय संबंधित देशों के लिए बाध्यकारी होते हैं और इस फैसले के खिलाफ अपील का प्रावधान नहीं है, लेकिन अदालत के पास अपने आदेश लागू कराने के लिए स्वतंत्र पुलिस या सैन्य व्यवस्था नहीं है। म्यांमार के अनुपालन से इनकार करने की स्थिति में गाम्बिया संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का रुख कर सकता है। वहां स्थायी सदस्यों के वीटो अधिकार और भू-राजनीतिक हित कार्रवाई को प्रभावित कर सकते हैं। म्यांमार ने भी फैसले को अनुचित बताते हुए इसका विरोध किया है और कहा है कि वह कानूनी समीक्षा करेगा।

अदालत ने म्यांमार को नरसंहार के दोषियों की जांच, मुकदमा और सजा सुनिश्चित करने, भविष्य में ऐसे अपराध रोकने तथा पीड़ितों को मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं।

सियासत का नया कंसोल, 'जीटीए 6' का बुखार और चुनावी मिशन !



विनय के पाठक

दुनिया भर के गेम लवर्स ने जिस 'ग्रैंड थेफ्ट ऑटो 6' (जीटीए 6) का 13 साल तक बेसब्री से इंतजार किया, उसके बाजार में आते ही भारतीय राजनीति का कंट्रोलर भी अचानक सक्रिय हो गया है। हमारे देश के राजनेताओं की यही सबसे बड़ी खूबी है कि वे दुनिया के हर बड़े इवेंट में अपनी सियासी फसल बोने का हुनर बखूबी जानते हैं। गेमिंग की दुनिया में वर्चुअल गाड़ियां दौड़ें या न दौड़ें लेकिन सोशल मीडिया के हाई-वे पर राजनीतिक तंज की गाड़ियां फुल स्पीड में सरपट भागने लगी हैं।

कहानी की शुरुआत बड़े आधुनिक अंदाज में हुई, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीटीए 5 से जीटीए 6 के बीच के 13 वर्षों के सफर को देश के बदलते स्वरूप से जोड़ते हुए कहा कि भारत अब एक बिल्कुल नया खेल खेल रहा है। अब जब शीर्ष नेतृत्व ने गेमिंग की शब्दावली का श्रीगणेश कर दिया तो पार्टी की सोशल मीडिया टीम भला पीछे कैसे रहती। उन्होंने तुरंत इस डिजिटल अखाड़े को एक मल्टी-प्लेयर बैटलग्राउंड में तब्दील कर दिया और विपक्ष के चार दिग्गज नेताओं के लिए बाकायदा कस्टमाइज्ड पोस्टर लॉन्च कर दिए। साथ में गेमिंग की भाषा में एक चुटीला कैप्शन भी जड़ दिया कि इनके साथ तो टीम भी नहीं बनाई जा सकती।

इन पोस्टरों की क्रिएटिविटी देखकर तो असली गेम डेवलपर्स भी एक बार को चकरा जाएं। हर नेता को उनकी पुरानी सियासी छवि और विवादों के हिसाब से एक अनोखा 'मिशन' सौंप दिया गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सीमा की बाड़ के सामने खड़ा कर 'ग्रैंड थेफ्ट बॉर्डर' का टाइटल दिया गया, जहां उनका मिशन सीमा पार से आने वालों के लिए दरवाजे खोलना बताया गया है। दूसरी तरफ, आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को 'ग्रैंड थेफ्ट शीशमहल' के पोस्टर में शाही सिंहासन और झूमर के साथ दिखाते हुए तंज कसा गया कि सादगी का चोला ओढ़कर ऐसा आशियाना बनाया जाए, जिसे देखकर महाराजाओं को भी रश्क हो।

उत्तर प्रदेश की सियासत का जिक्र हो और पुराने किस्से बाहर न निकलें, ऐसा भला कैसे हो सकता है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के हाथ में नल की टोंटी थमाकर 'ग्रैंड थेफ्ट टोंटी चोर' का पोस्टर जारी किया गया, जिसमें एक भी टोंटी न छोड़ने का मिशन दर्ज है। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हिस्से में 'ग्रैंड थेफ्ट लूजर' का पोस्टर आया, जिसमें वे संसद के बाहर बैठे हैं और बगल में लगा स्कोरबोर्ड 99 चुनावी हारों के बाद शतक पूरा होने की उल्टी गिनती दिखा रहा है।

दरअसल, आधुनिक भारतीय राजनीति में अब गंभीर वैचारिक बहसों की जगह मीम्स और पॉप-कल्चर के रेफरेंस ने ले ली है। पहले चुनाव के मैदान में बड़े-बड़े घोषणापत्र और भारी-भरकम भाषण गूंजते थे, लेकिन अब सारा खेल ग्राफिक्स और पंचलाइन पर सिमट आया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच की यह नोकझोंक किसी वीडियो गेम के लेवल जैसी हो गई है, जहां हर पार्टी दूसरे के पुराने रिकॉर्ड्स को 'चीट कोड' की तरह इस्तेमाल कर उसका गेम ओवर करने की फिराक में रहती है।

आम जनता भी इस सियासी गेमिंग का भरपूर आनंद ले रही है। असली 'जीटीए 6' खेलने के लिए तो महंगे कंसोल और हाई-स्पीड इंटरनेट की जरूरत पड़ती है, लेकिन हमारे नेताओं की बदौलत देशवासियों को सोशल मीडिया पर ही मुफ्त का मनोरंजन मिल रहा है। बस देखना यह दिलचस्प होगा कि इस वर्चुअल गेमिंग वॉर में किसका मिशन कामयाब होता है और जनता किसके हाथ में सत्ता का असली रिमोट थमाती है।

बुद्धू बक्से से लाइव दुनिया तक : एक स्क्रीन में सिमटी दुनिया

योगेश कुमार गोयल

वर्ष 1925 में टेलीविजन का आविष्कार स्कॉटिश इंजीनियर तथा अन्वेषक जॉन लॉगी बेयर्ड द्वारा किया गया था। वे दुनिया के प्रथम वैज्ञानिक थे, जिन्होंने 26 जनवरी 1926 को ब्रिटेन के लंदन शहर में स्थित रॉयल इंस्टीट्यूशन से लंदन के पश्चिम में स्थित 'सोहो' नामक स्थान पर टेलीविजन संदेशों का सफल प्रसारण करके दिखाया था। उनके द्वारा बनाए गए मैकेनिकल टेलीविजन के बाद 1927 में फिलो फॉर्न्सवर्थ द्वारा इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन का आविष्कार किया गया, जिसका 3 सितम्बर 1928 को उनके द्वारा सार्वजनिक प्रदर्शन किया गया। कुछ असफलताओं के बाद सदी के महान् आविष्कार टेलीविजन को पूरी तरह इलैक्ट्रॉनिक रूप देने में सफलता मिली वर्ष 1934 में। बिजली से चलने वाले उस अद्भुत इलैक्ट्रॉनिक उपकरण की ही बदौलत आगामी वर्षों में कई आधुनिक टीवी स्टेशन खोले दिए? जिसके बाद लोग बड़ी संख्या में टीवी खरीदने लगे और टेलीविजन धीरे-धीरे मनोरंजन एवं समाचार का महत्वपूर्ण माध्यम बनता गया।

इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन ने अपने आविष्कार के करीब 32 साल बाद भारत में पहला कदम रखा। भारत में टीवी का पहला प्रसारण प्रायोगिक तौर पर दिल्ली में दूरदर्शन केन्द्र की स्थापना के साथ 15 सितम्बर 1959 को शुरू किया गया। उस समय टीवी पर सप्ताह में केवल तीन दिन ही मात्र तीस-तीस मिनट के कार्यक्रम आते थे लेकिन इतने कम समय के बेहद सीमित कार्यक्रमों के बावजूद भी टीवी के प्रति लोगों का लगाव बढ़ता गया और यह बहुत जल्द लोगों की आदत का अहम हिस्सा बन गया। दूरदर्शन का व्यापक प्रसार हुआ वर्ष 1982 में दिल्ली में हुए एशियाई खेलों के आयोजन के प्रसारण के बाद। दूरदर्शन द्वारा अपना दूसरा चैनल 26 जनवरी 1993 को शुरू किया गया और उसी के बाद दूरदर्शन का पहला चैनल डीडी-1 और दूसरा नया चैनल डीडी-2 के नाम से लोकप्रिय हो गया, जिसे बाद में 'डीडी मैट्रो' नाम दिया गया। भले ही टीवी के आविष्कार के इन दशकों में इसका स्वरूप और तकनीक पूरी तरह बदल चुकी है लेकिन इसके कार्य करने का मूलभूत सिद्धांत अभी भी पहले जैसा ही है।

'ब्लैक एंड व्हाइट' बुद्धू बक्सा अपने सहज प्रस्तुतिकरण के दौर से गुजरते हुए कब आधुनिकता के साथ कदमताल करते हुए सूचना क्रांति का सबसे बड़ा हथियार और हर घर की अहम जरूरत बन गया, पता ही नहीं चला। यह दुनिया जहान की खबरें देने और राजनीतिक गतिविधियों की सूचनाएं उपलब्ध कराने के अलावा मनोरंजन, शिक्षा तथा समाज से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं को उपलब्ध कराने, प्रमुख आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए समूचे विश्व के ज्ञान में वृद्धि करने में मदद करने वाला एक सशक्त जनसंचार माध्यम है। यह संस्कृतियों और रीति-रिवाजों के आदान-प्रदान के रूप में मनोरंजन का सबसे सस्ता साधन है, जो तमाम महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी दुनिया के ज्ञान में असीम वृद्धि करने में मददगार साबित हो रहा है। मानव जीवन में टीवी की बढ़ती भूमिका तथा इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाया जाता है।

संचार और वैश्वीकरण में टेलीविजन की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इसके महत्वों को रेखांकित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की जरूरत महसूस की गई और आम जिंदगी में टीवी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए आखिरकार टीवी के आविष्कार के



करीब सात दशक बाद वर्ष 1996 में 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की घोषणा कर दी गई। दरअसल टीवी के आविष्कार को सूचना के क्षेत्र में एक ऐसी क्रांति का आविष्कार माना गया है, जिसके जरिये समस्त दुनिया हमारे करीब रह सकती है और हम अब घर बैठे ही दुनिया के किसी भी कोने में होने वाली घटनाओं को लाइव देख सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहली बार 21 तथा 22 नवम्बर 1996 को विश्व टेलीविजन मंच का आयोजन करते हुए टीवी के महत्व पर चर्चा करने के लिए मीडिया को प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया गया था। उस दौरान विश्व को परिवर्तित करने में टीवी के योगदान और टीवी के विश्व पर पड़ने वाले प्रभावों के संदर्भ में व्यापक चर्चा की गई थी। उसी के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा में 17 दिसम्बर 1996 को एक प्रस्ताव पारित करते हुए प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को विश्व टेलीविजन दिवस मनाने का निर्णय लिया गया और तभी से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को ही यह दिवस मनाया जाता रहा है।

हालांकि किसी भी वस्तु के अच्छे और बुरे दो अलग-अलग पहलू भी हो सकते हैं। कुछ ऐसा ही सूचना एवं संचार क्रांति के अहम माध्यम टीवी के मामले में भी है। एक ओर जहां यह मनोरंजन और ज्ञान का सबसे बड़ा स्रोत बन चुका है और नवीनतम सूचनाएं प्रदान करते हुए समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालता है, वहीं इसके नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते रहे हैं। टेलीविजन की ही वजह से ज्ञान, विज्ञान, मनोरंजन, शिक्षा, चिकित्सा इत्यादि तमाम क्षेत्रों में बच्चों से लेकर बड़ों तक की सभी जिज्ञासाएं शांत होती हैं। अगर नकारात्मक पहलुओं की बात करें तो टीवी के बढ़ते प्रचलन के साथ-साथ इस पर प्रदर्शित होते अश्लील, हिंसात्मक, अंधविश्वासों का बीजारोपण करने तथा भय पैदा करने वाले कार्यक्रमों के कारण हमारी संस्कृति, आस्था और नैतिक मूल्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। टीवी पर विभिन्न कार्यक्रमों में लगातार हत्या और बलात्कार जैसे दृश्य दिखाने से बच्चों का मानसिक विकास प्रभावित होता है। मौजूदा समय में टीवी मीडिया की सबसे प्रमुख ताकत के रूप में उभर रहा है और मीडिया का हमारे जीवन में इस कदर हस्तक्षेप बढ़ गया है कि टीवी के वास्तविक महत्व के बारे में अब लोगों को पर्याप्त जानकारी ही नहीं मिल पाती।

देश में जहां दूरदर्शन की शुरूआत के बाद दशकों तक दूरदर्शन के ही चैनल प्रसारित होते रहे, वहीं 1990 के दशक में निजी चैनल शुरू होने की इजाजत मिलने के साथ एक नई सूचना क्रांति का आगाज हुआ। इन तीन दशकों में निजी चैनलों को लगातार मिलते लाइसेंस के चलते अब देशभर में टीवी पर करीब एक हजार चैनल प्रसारित होते हैं। इससे दूरदर्शन जैसे माध्यम कमजोर हो गए हैं और अब हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां सूचना व संचार माध्यमों ने हमें इस कदर अपना गुलाम बना लिया है कि इनके अभाव में जीवन की कल्पना ही नहीं कर सकते। हालांकि ढ़ेर सारे टीवी चैनलों की बदौलत जहां ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा, सूचना आदि के स्रोत बढ़े हैं, वहीं चिंताजनक स्थिति यह है कि टीआरपी की बढ़ती होड़ में बहुत से निजी टीवी चैनल जिस प्रकार गलाकाट प्रतिद्वंद्विता के चलते समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों की अनदेखी करते हुए दर्शकों के समक्ष कुछ भी परोसने को तैयार रहते हैं, उससे युवा पीढ़ी दिशाहीन हो रही है और जनमानस में गलत संदेशों का बीजारोपण होता है।

मिस्टर राहुल, लोकतंत्र आपकी राजनीतिक उपस्थिति का मोहताज नहीं!



डॉ. मयंक चतुर्वेदी

लोकतंत्र की शक्ति किसी नेता के दावे, राजनीतिक दल के वर्चस्व अथवा परिवार की विरासत में न होकर जनता के अधिकार, संविधान की सर्वोच्चता और सत्ता परिवर्तन की स्वतंत्रता में निहित होती है। भारत इसका सशक्त उदाहरण है, जहां चुनावी हार-जीत, राजनीतिक उत्थान-पतन और सत्ता परिवर्तन के बीच लोकतंत्र की यात्रा निरंतर जारी है। ऐसे में राहुल गांधी का यह कहना कि विपक्ष चुनावों का बहिष्कार कर दे तो भारतीय लोकतंत्र समाप्त हो जाएगा, लोकतांत्रिक व्यवस्था की व्यापकता और संवैधानिक शक्ति को कम करके आंकने जैसा है। विपक्ष लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है, मगर कोई एक राजनीतिक दल लोकतंत्र का पर्याय नहीं हो सकता।

शिकागो विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रॉबर्ट ए. पेप के साथ संवाद के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष चुनावों का बहिष्कार कर दे तो उसी क्षण भारतीय लोकतंत्र समाप्त हो जाएगा। चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाना, मतदाता सूची की त्रुटियां सामने लाना और निर्वाचन आयोग से जवाब मांगना विपक्ष का अधिकार है। संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करना भी उसकी जिम्मेदारी है मगर इन अधिकारों के आधार पर लोकतंत्र को अपनी राजनीतिक उपस्थिति से जोड़ना अतिशयोक्ति है क्योंकि भारत का लोकतंत्र किसी नेता, दल अथवा राजनीतिक परिवार की सक्रियता पर निर्भर नहीं।

वस्तुतः संविधान की प्रस्तावना के शब्द 'हम भारत के लोग' लोकतंत्र की मूल भावना स्पष्ट करते हैं। सत्ता का स्रोत जनता है और राजनीतिक दल नागरिकों की आकांक्षाओं को शासन तक पहुंचाने का माध्यम हैं। अनुच्छेद 326 वयस्क मताधिकार की व्यवस्था करता है, जबकि अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को चुनावों के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण की जिम्मेदारी देता है। इस व्यवस्था में किसी दल को लोकतंत्र पर स्थायी अधिकार प्राप्त नहीं है।

विपक्ष की भागीदारी लोकतंत्र को प्रतिस्पर्धात्मक बनाती है। वह सरकार को जवाबदेह बनाता है, जनता के सामने विकल्प रखता है और नीतियों की समीक्षा करता है। किसी बड़े विपक्षी दल के चुनाव से हटने पर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और प्रतिनिधित्व प्रभावित हो सकते हैं, किंतु किसी दल की अनुपस्थिति संवैधानिक व्यवस्था का अंत नहीं है। राजनीतिक चुनौती और लोकतंत्र की समाप्ति दो अलग-अलग स्थितियां हैं।

भारत का इतिहास इसका प्रमाण है। 1952, 1957 और 1962 में कांग्रेस की सरकार बनी, फिर 1967 में अनेक राज्यों में कांग्रेस सत्ता से बाहर हुई और गैर-कांग्रेसी सरकारों का दौर शुरू हुआ। 1977 में जनता ने केंद्र में भी सत्ता परिवर्तन कर दिया। कांग्रेस पराजित हुई, जनता पार्टी सत्ता में आई। यही भारत की लोकतांत्रिक विशेषता है, जहां मतदाता किसी दल या नेता से बंधा नहीं है और उसे अपना निर्णय बदलने का पूरा अधिकार है।

लोकतंत्र पर वास्तविक संकट तब आता है, जब नागरिक स्वतंत्रता बाधित हो, अभिव्यक्ति पर प्रतिबंध लगे, विपक्षी आवाजें दबाई जाएं, प्रेस पर सेंसरशिप लागू हो और संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल कठिन बना दिया जाए। 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक लागू आपातकाल इसी का गंभीर उदाहरण है। उस दौर में विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियां हुईं, प्रेस की स्वतंत्रता सीमित की गई और नागरिक अधिकारों पर प्रतिबंध लगे। सत्ता कांग्रेस के हाथ में थी और लोकतंत्र की रक्षा के लिए विपक्ष को संघर्ष करना पड़ा। 1977 में जनता ने चुनाव के माध्यम से अपना निर्णय सुनाया और इंदिरा गांधी की सरकार सत्ता से बाहर हो गई। यह प्रसंग बताता है कि लोकतंत्र की रक्षा सत्ता और विपक्ष, दोनों की जिम्मेदारी है।

राहुल गांधी निर्वाचन आयोग और चुनावी प्रक्रिया पर लगातार सवाल उठाते रहे हैं। मतदाता सूची में त्रुटियां, संदिग्ध प्रविष्टियां, तस्वीरों की गड़बड़ी और मताधिकार से जुड़ी शिकायतें गंभीर विषय हैं। इनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और निर्वाचन आयोग को पारदर्शिता के साथ जवाब देना चाहिए। मगर आरोपों के साथ प्रमाण भी आवश्यक हैं। किसी सूची में गलत तस्वीर प्रशासनिक त्रुटि हो सकती है, दोहरी प्रविष्टि गंभीर समस्या हो सकती है, मगर हर त्रुटि को सुनियोजित चुनावी धांधली का प्रमाण मानना उचित नहीं। लोकतांत्रिक संघर्ष तथ्यों, प्रमाणों और संवैधानिक प्रक्रियाओं से मजबूत होता है, न कि बार-बार आरोपों की पुनरावृत्ति से।

कांग्रेस ने 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में बड़ी पराजय का सामना किया। चुनाव परिणाम जनता की प्राथमिकताओं, अपेक्षाओं और राजनीतिक परिस्थितियों का प्रतिबिंब होते हैं। किसी दल को हार मिलने पर संगठन, नेतृत्व, नीतियों और जनसंपर्क का आकलन करना चाहिए। जनता बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास जैसे मुद्दों पर समाधान चाहती है। संगठन की मजबूती, नेतृत्व की विश्वसनीयता और कार्यकर्ताओं की सक्रियता चुनावी सफलता के महत्वपूर्ण आधार हैं। यह तो कांग्रेस और राहुल गांधी को समझना ही होगा कि राजनीतिक प्रासंगिकता आरोपों से अधिक जनविश्वास से अर्जित होती है, जिससे कि उनकी पार्टी अभी दूर चली गई है।

यह सच है कि स्वस्थ लोकतंत्र में प्रभावी विपक्ष आवश्यक है, लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं कि किसी एक दल को लोकतंत्र का अनिवार्य प्रतिनिधि मान लेना चाहिए। भारत बहुदलीय और संघीय लोकतंत्र है, जहां राष्ट्रीय दलों, क्षेत्रीय दलों और स्वतंत्र उम्मीदवारों के माध्यम से जनता को विविध विकल्प मिलते हैं। राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं, लोकतांत्रिक प्रक्रिया किसी एक दल की उपस्थिति पर निर्भर नहीं होती, इसलिए ही यहां पिछले 70 सालों में कई राजनीतिक पार्टियां उभरी और समाप्त भी हो गईं। राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। उनसे अपेक्षा है कि वे सरकार की नीतियों की समीक्षा करते हुए देश के सामने ठोस वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करें।

पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ने छतौना में निर्माणाधीन कन्या आवासीय विद्यालय का किया निरीक्षण

गरीब दर्शन / शिवहर

बिहार सरकार के पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के माननीय मंत्री ने पिपराही प्रखंड अंतर्गत मोहनपुर पंचायत के छतौना में निर्माणाधीन अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय +2 उच्च विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया तथा संबंधित पदाधिकारियों एवं अभियंताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। माननीय मंत्री ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल देते हुए कार्यपालक अभियंता, संबंधित अभियंताओं एवं संवेदक को निर्देश दिया कि भवन का निर्माण निर्धारित तकनीकी मानकों एवं गुणवत्तापूर्ण सामग्री के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा गुणवत्ता से किसी भी परिस्थिति में समझौता स्वीकार्य नहीं होगा।

उन्होंने निर्माण कार्य में अपेक्षित गति लाते हुए इसे निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही संबंधित पदाधिकारियों को निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करने तथा गुणवत्ता एवं समयबद्धता को



सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा। उल्लेखनीय है कि 520 बेड की क्षमता वाला यह कन्या आवासीय विद्यालय पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग की छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। विद्यालय के संचालन से छात्राओं को कक्षा 6 से 12 तक निःशुल्क शिक्षा के साथ आवासन, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अतिरिक्त विभागीय प्रावधानों के अनुरूप छात्राओं को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से भी लाभ प्रदान किया जाएगा।

इन आवासीय विद्यालयों का उद्देश्य आर्थिक एवं सामाजिक रूप से वंचित वर्गों की छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण, सुरक्षित आवासीय सुविधा तथा शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध कराना है। इससे छात्राओं को अपनी पढ़ाई निरंतर जारी रखने एवं उच्च शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा तथा महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि विद्यालय भवन को शीघ्र तैयार कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि क्षेत्र की छात्राओं को इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ जल्द से जल्द मिल सके। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त, कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, जिला पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण पदाधिकारी, संवेदक सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता में चयन के लिए सीतामढ़ी के 8 खिलाड़ी दिखाएँगे दमखम

21 नवंबर को जहानाबाद के लिए रवाना होगी जिले की टीम

गरीब दर्शन / सीतामढ़ी

जिला भारोत्तोलन संघ के तत्वावधान में जिले के 8 प्रतिभाशाली भारोत्तोलक खिलाड़ी आगामी राज्यस्तरीय चयन प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा और दमखम का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता में चयनित होने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता में बिहार का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। जिले की टीम 21 नवंबर को जहानाबाद के लिए प्रस्थान करेगी। वहाँ 22 नवंबर को कैडेट वर्ग तथा 23 नवंबर को यूथ वर्ग की राज्यस्तरीय चयन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में अपने-अपने भार वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चयनित होने वाले खिलाड़ी 27 दिसंबर से मोदीनगर में आयोजित राष्ट्रीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता में भाग लेंगे। बालक वर्ग के खिलाड़ी में आनव कुमार, आकर्ष कुमार चौधरी, अजमल हुसैन, अथर हुसैन व शादाब आलम तथा बालिका वर्ग की खिलाड़ी नव्या कुमारी, सिद्धि श्रीवास्तव व परिणीति (परी) शामिल हैं। जिला भारोत्तोलन संघ के अध्यक्ष अतुल कुमार ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि सभी खिलाड़ी पूरे आत्मविश्वास और अनुशासन के साथ प्रतियोगिता में भाग लें तथा अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से जिले का गौरव बढ़ाएँ। संघ के संरक्षक प्रो. डॉ. राजकुमार गुप्ता ने कहा कि जिले के खिलाड़ियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। कोषाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार सुमन ने खिलाड़ियों को अग्रिम बधाई देते हुए कहा कि खेल में निरंतर अभ्यास, धैर्य और आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी है। उपाध्यक्ष आशुतोष कुमार ने कहा कि जिले के आठ खिलाड़ियों का राज्यस्तरीय चयन प्रतियोगिता में भाग लेना गर्व की बात है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होने की कामना की। सचिव सतीश कुमार ने बताया कि सभी खिलाड़ी चयन प्रतियोगिता की तैयारी में पूरी मेहनत और उत्साह के साथ जुटे हुए हैं।

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की हुई विस्तृत समीक्षा

गरीब दर्शन / सीतामढ़ी

जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त श्वेता भारती, अपर समाहर्ता, सिविल सर्जन सीतामढ़ी डॉ. आर. के. यादव, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी कमल सिंह, डीपीएम विजय झा, DM&E संतोष कुमार, डीपीसी दिनेश कुमार एवं प्रतीक यादव, पीरामल फाउंडेशन के जिला प्रबंधक प्रभाकर कुमार एवं कार्यक्रम लीडर रोहित सिंह सहित सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO), जीविका के जिला कार्यक्रम प्रबंधक (DPM), ICDS के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (DPO) एवं बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (CDPO), सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी (MOIC), BCM तथा स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं स्वास्थ्य सेवाओं की अद्यतन प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान कार्यक्रमों के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति, क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों, सेवा की गुणवत्ता तथा विभागीय समन्वय को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा - निर्देश दिए गए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ प्रशासन, जीविका एवं ICDS की सहभागिता को भी महत्वपूर्ण माना गया। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, सामुदायिक जागरूकता, लाभार्थियों की पहचान एवं विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन में अंतरविभागीय समन्वय को मजबूत करने पर विशेष बल दिया गया। अंत में जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि समीक्षा में सामने आई कमियों एवं लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। सभी कार्यक्रमों की नियमित निगरानी, प्रखंड एवं स्वास्थ्य संस्थान स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति के लिए समन्वित प्रयास किए जाए।

24 ग्राम गांजा बरामद, एक गिरफ्तार और एक बालक निरुद्ध

गरीब दर्शन / शिवहर

जिले में मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत श्यामपुर भटहां थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने नया गांव बाजार स्थित एक हार्डवेयर दुकान में छापेमारी कर 24 ग्राम गांजा बरामद किया है। इस दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक विधि-विरुद्ध बालक को निरुद्ध किया गया। पुलिस के अनुसार, 19 नवंबर 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि नया गांव बाजार स्थित एक हार्डवेयर दुकान में अवैध रूप से गांजा की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम गठित कर दुकान में छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान किशोरी राय, पिता स्वर्गीय नन्हपत राय, निवासी नया गांव, थाना श्यामपुर भटहां, जिला शिवहर के रूप में हुई है। मामले में श्यामपुर भटहां थाना कांड संख्या 304/26 दर्ज कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। शिवहर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

प्रो. प्रभाकर सिन्हा के निधन से पीयूसीएल तथा मानवाधिकार आन्दोलन को बड़ी क्षति

मानवाधिकार आन्दोलनकारियों में शोक

गरीब दर्शन / सीतामढ़ी



लोकस्वातंत्र्य संगठन (पीयूसीएल) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो.प्रभाकर सिन्हा (89) के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए पीयूसीएल बिहार के अध्यक्ष प्रो. आनन्द किशोर ने कहा कि उनके निधन से पीयूसीएल के साथ देश में मानवाधिकार तथा नागरिक अधिकार आन्दोलनों को अपूरणीय क्षति पहुंची है। सादा जीवन तथा उच्च विचार से ओतप्रोत प्रभाकर बाबू का जीवन मानवाधिकार के लिए समर्पित था वे जीवन के अंतिम क्षण तक मानवाधिकार की मजबूती के लिए जिये और पीयूसीएल का मार्गदर्शन करते रहे। वे 9 वर्षों तक बिहार तथा 6 वर्षों तक पीयूसीएल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे।उन्होने मानवाधिकार को कैसे समझें, मानवाधिकार आतंकवाद और शख्त कानून, मानवाधिकार उल्लंघन निरोध एवं प्रतिकार, हमारे छिनते मानवाधिकार:हमारी नासमझी और हमारी उदासीनता, दी संघ एण्ड दी हिन्दु राष्ट्र, अंडरस्टेंडिंग पीयूसीएल सहित दर्जनो पुस्तकों तथा सैकडों आलेखों का हिन्दी तथा अंग्रेजी में लेखन किया है। वे आरडीएस कालेज मुजफ्फरपुर में अंग्रेजी के विद्वान प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष भी थे। उनकी लेखनी तथा विचार सदैव समाज का मार्गदर्शन करते रहेंगे। उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए जिलाध्यक्ष रामप्रमोद मिश्र, महासचिव विनोद बिहारी मंडल, राज्य समिति के सदस्य ब्रजमोहन मंडल, अबधेश यादव, हरिओम शरण नारायण, जिला समिति के शशिधर शर्मा, जलंधर यदुबंशी, विजय शुक्ला, अमरेन्द्र राय, चन्द्रदेव मंडल, मों मुर्तुजा, मों शेराज अहमद,प्रो ललन राय, नन्दकिशोर मंडल ने भी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उनके निधन को देश की बडी क्षति बताया है।

जनता दरबार में उप विकास आयुक्त ने सुनीं आमजनों की समस्याएं, निष्पादन हेतु दिए आवश्यक निर्देश



गरीब दर्शन / शिवहर

जनता दरबार में उप विकास आयुक्त संजय कुमार द्वारा आमजनों की समस्याओं एवं शिकायतों को सुना गया तथा उनके निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर समाहर्ता श्री मेधावी एवं निदेशक, एन.ई.पी. श्री हरिमोहन कुमार सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। जनता दरबार में आए आवेदकों ने अपनी समस्याओं से उप विकास आयुक्त को अवगत कराया। उप विकास आयुक्त ने प्रस्तुत मामलों की सुनवाई करते हुए संबंधित पदाधिकारियों से वस्तुस्थिति की जानकारी ली तथा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने निर्देश दिया कि आमजनों से प्राप्त आवेदनों की संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ जांच की जाए। जिन मामलों में तत्काल कार्रवाई संभव है, उनमें शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा जाँच अथवा विभागीय समन्वय की आवश्यकता वाले मामलों में आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर निष्पादन किया जाए। उप विकास आयुक्त ने कहा कि जनशिकायतों का ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन प्रशासन की प्राथमिकता है। संबंधित पदाधिकारी प्राप्त शिकायतों पर की गई कार्रवाई की नियमित समीक्षा करें तथा आवेदकों को उनके आवेदन पर की गई कार्रवाई से अवगत कराएँ। शिकायतों के निष्पादन में अनावश्यक विलंब से बचने एवं आमजनों के प्रति सहयोगपूर्ण व्यवहार बनाए रखने का भी निर्देश दिया गया।

जनता दरबार के माध्यम से आमजनों की समस्याओं की सुनवाई एवं उनके समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की गई।

बड़ी धूम - धाम से मनाया गया श्री श्याम बाबा का जन्मोत्सव

श्री श्याम मित्र मण्डल के तत्वाधान में कार्यक्रम

गरीब दर्शन / सीतामढ़ी

शहर के श्याम कुंज, खेमका कॉलोनी में स्थित श्री श्याम मंदिर में कार्तिक सुदी ग्यारस पर श्री श्याम मित्र मण्डल के तत्वाधान में श्री श्याम बाबा का जन्मोत्सव बड़ी धूम धाम से मनाया गया। शुक्रवार को शुरू हुए दो दिवसीय कार्यक्रम में पहले दिन सुबह से ही मन्दिर में मंगला आरती, महाआरती सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होता रहा। सबसे पहले सुबह में महिला - पुरुष श्याम भक्तों ने श्याम बाबा को निशान चढ़ाएं। इसके पूर्व श्याम बाबा का सैकड़ो फूल – मालाओ से भव्य श्रृंगार किया गया और मंदिर परिसर को रंगीन बल्बों व बेलून से सजाया गया था। भव्य श्रृंगार के बाद मंगलाआरती और महाआरती का आयोजन था। जिसमें काफी संख्या में भक्तो ने सपरिवार , बन्धु – बांधवों सहित सुख, शांति, समृद्धि के बाबा का दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री





सुन्दरका ने बताया कि जन्मोत्सव कार्यक्रम का आकर्षण महिलाओं द्वारा अखण्ड पाठ रहा। पाठ में 51 महिलाओं सुनीता अग्रवाल, श्यामा मोहता, नीलम चौधरी, अंजू शर्राफ, सीता देवंशी, चंदा देवी सुन्दरका, मीना देवी पोद्दार, उषा रस्तोगी, उमा देवी, वीणा केडिया, ज्योति सोरलिया, सीमा गुप्ता, कुमारी गीता रंजना, अंजू देवी, पूनम बाजोरिया, सुनीता देवी, शोभा देवी, ज्योति शर्राफ, चुनचुन कुमारी, सुशीला देवी, रूपा गुप्ता, चांदनी कुमारी, शोभा देवी, उमा बंधु, मोनिका कुमारी, रश्मि माखड़िया, रीता देवी, उषा अग्रवाल, दीक्षा कुमारी, सुनीता शर्राफ, प्रेमलता सराफ, पूजा दीक्षित, संगीता गुप्ता, संगीता सर्राफ, खुशी कुमारी, नीरज देवी, गुड़िया गुप्ता, नेहा कुमारी, रूपम कुमारी, आरती शर्मा द्वारा संगीतमय श्लोकों " अखण्ड ज्योत है अपार माया, श्याम देव की परबल छाया" , " जिसने शीश का दान दिया था, कृष्ण से वरदान लिया था" , " यही शीश प्रकटे कलियुग में, अमर कहानी हर जुग-जुग में", " कलिकाल में ये देव शक्ति, अटल रहेगी हमारी भक्ति " , " जय श्री श्याम के शब्द उच्चारे, भक्त वहीँ हो हमको प्यारे " से बाबा के रूप, महिमा और भक्तों पर बरसती कृपा का गुणगान किया गया। अखण्ड पाठ का वाचन प्रसिद्ध भजन गायिका व श्याम भक्त मुजफ्फरपुर से आई रेणु खेतान ने किया। श्याम मंदिर में जन्मोत्सव कार्यक्रम की सफलता के लिए मन्दिर की संचालन समिति श्री श्याम मित्र मण्डल एवं श्याम भक्त सदस्यों सहित सैकड़ों स्त्री-पुरुष व बच्चों ने अपनी सहभागिता दी।

बाल विवाह उन्मूलन दिवस पर जिले में चलेगा 100 दिवसीय जागरूकता अभियान

गरीब दर्शन / शिवहर

बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने तथा समाज में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से बिहार ग्राम विकास परिषद, शिवहर द्वारा जिले में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को जिले के तरियानी प्रखंड अंतर्गत राजकीय मध्य विद्यालय, बंसी पचरा में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के बच्चों एवं शिक्षकों को बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई तथा बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर बच्चों



को बताया गया कि बाल विवाह बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य, अधिकार एवं उज्ज्वल भविष्य में बाधक है। इसे रोकने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है।

बिहार ग्राम विकास परिषद के जिला समन्वयक अनिल कुमार ने बताया कि आगामी 27 नवंबर को बाल विवाह उन्मूलन दिवस के अवसर पर जिले में 100 दिवसीय जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य 'बाल विवाह मुक्त शिवहर' का निर्माण करना है। अभियान के तहत विभिन्न विद्यालयों में बच्चों की सहभागिता से प्रभात फेरी निकाली जाएगी। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में जीविका दीदियों एवं आंगनबाड़ी सेविकाओं के सहयोग से शाम के समय कैंडल मार्च सहित विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

इन गतिविधियों के माध्यम से आम लोगों को बाल विवाह रोकने, बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने तथा बाल अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा। बिहार ग्राम विकास परिषद ने आम नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं सामाजिक संगठनों से अपील की है कि वे बाल विवाह मुक्त शिवहर बनाने के इस अभियान में सक्रिय सहयोग करें और बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर जागरूकता रथ रवाना



गरीब दर्शन / शिवहर

बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पटना के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार संजय अग्रवाल के आदेशानुसार आगामी 12 दिसंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के उद्देश्य से एवं आम लोगों में जागरूकता फैलाने हेतु जागरूकता रथ को व्यवहार न्यायालय परिसर, शिवहर से जिले के विभिन्न स्थानों पर जाने हेतु हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। मौके पर माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, शिवहर श्री संजय अग्रवाल की मौजूदगी में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, शिवहर श्री ललन कुमार रजक तथा सभी न्यायिक पदाधिकारीगण एवं जिला बार काउंसिल के सचिव श्री धर्मेन्द्र कुमार सिंह एवं सभी न्यायालय के कर्मचारी मौजूद थे।

नाबालिग बालक की हत्या के मामले में अभियुक्त गिरफ्तार



गरीब दर्शन / शिवहर

जिले के पुरनहिया थाना पुलिस ने नवालिग बालक की हत्या के मामले में एक अभियुक्त राजेश सदा को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक मोहिबुल्लाह अंसारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि पूरनहिया थाना क्षेत्र में नाबालिक बालक की मृत्यु से संबंधित थाना कांड संख्या 119 /25 में पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त राजेश सदा को गिरफ्तार किया गया है।

4 सितंबर 2025 को आवेदक द्वारा अपने 13 वर्षीय पुत्र की लापता होने की सूचना थाने को दी गई थी। खोजबीन के दौरान बालक का शव गांव के समीप खेत में पाया गया था। तत्पश्चात पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराया गया था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आवेदक के द्वारा लिखित आवेदन थाने को दी गई थी।थाना कांड दर्ज कर प्रारंभिक अनुसंधान प्रारंभ किया था, इसी क्रम में पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए राजेश सदा पिता स्वर्गीय दुखा सदा ग्राम अदौरी निवासी को को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

बंशी चाचा द्वारा पुल निर्माण के लिए किया गया संघर्ष निस्वार्थ और निश्छल जनसेवा का हैं उदाहरण : अनिल कुमार

कहा - बंशी चाचा का बलिदान सर्व समाज के लिए प्रेरणास्रोत

गरीब दर्शन / सीतामढ़ी

शहर के चकमहिला स्थित चक्रऋषि आश्रम (पुराना पलवैया धाम) मंदिर परिसर में कानू कल्याण महासभा के तत्वावधान में स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद बंशी चाचा की पुण्यतिथि शहादत दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के जिलाध्यक्ष रामेश्वर साह ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. प्रतिमा आनंद, पूर्व सभापति सुवंश राय, राम जिनिश गुप्ता, नीरा गुप्ता, गगनदेव यादव, मुकेश यादव, पूर्व मुखिया राघव प्रसाद एवं राजेंद्र चंद्रवंशी सहित उपस्थित गणमान्य लोगों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं बंशी चाचा के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर



श्रद्धांजलि देने के साथ हुआ। इस अवसर पर वक्ताओं ने बंशी चाचा के जीवन, संघर्ष और उनके ऐतिहासिक बलिदान पर प्रकाश डाला। संगठन की ओर से जिलाध्यक्ष रामेश्वर साह ने अतिथियों को फूलमाला एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। वक्ताओं ने बैरगनिया - सीतामढ़ी के बीच बागमती नदी पर पुल निर्माण की आवश्यकता और उस दौर में पुल की महत्ता पर चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन कर रहे पूर्व सैनिक अनिल कुमार ने कहा कि बिना किसी राजनीतिक महत्वाकांक्षा के बंशी चाचा द्वारा पुल निर्माण के लिए किया गया संघर्ष निस्वार्थ और निश्छल जनसेवा का उदाहरण है। उन्होंने सर्वसमाज के हित में अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं से ऊपर उठकर प्राणों की आहुति दे दी। उनका त्याग और बलिदान सदैव अनुकरणीय रहेगा। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने के बावजूद उन्होंने पूरे समाज के हित के लिए संघर्ष किया। उनका जीवन हमें निस्वार्थ सेवा, सामाजिक एकता और जनहित के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। समारोह में विनोद साह, संजीव कुमार, आकाश कुमार, रामबाबू साह, चंद्रमोहन कुमार, सोनू कुमार, अशोक साह, रविंद्र कुमार, भिखारी शर्मा, दिगंबर शर्मा, अभिमन्यु साह, धर्मवीर गुप्ता, मंटु कुमार, कामोद कुमार, रामजी साह, केशर देव साह तथा मठ के महंत रामकुमार दास सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पिता की मौत के मामले में पत्नी और बेटा गिरफ्तार, मारपीट से जुड़ा है आरोप

गरीब दर्शन/बेतिया

नवलपुर थाना क्षेत्र के सिसवा भूमिहार गांव में मारपीट के बाद एक व्यक्ति की मौत के मामले में पुलिस ने उसकी पत्नी और बेटे को गिरफ्तार किया है। मृतक की पहचान दिनेश राय के रूप में हुई है। इस मामले में उनकी बेटी रेखा राय के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने आरोपित बेटे अनूप राय और पत्नी सुशीला देवी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। मृतक की बेटी रेखा कुमारी, निवासी लक्ष्मीपुर गांव, ने बताया कि उनके पिता दिनेश राय और भाई अनूप राय के बीच अक्सर विवाद होता था। उनके अनुसार, अनूप अपने पिता के साथ गाली-गलौज करता था और जान से मारने की धमकी भी देता था। रेखा के आरोप के मुताबिक, एक दिन अनूप शराब के नशे में अपनी मां सुशीला देवी के साथ मिलकर दिनेश राय पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर दिनेश राय को हमलावरों से छुड़ाया। इसके बाद 112 नंबर पर सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अनूप राय और सुशीला देवी को हिरासत में लिया। घायल दिनेश राय को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के बाद वह घर लौट आए थे, लेकिन सिर में गंभीर चोट लगने के कारण बाद में उनकी मौत हो गई। घटना के संबंध में पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

आज प्रधानमंत्री करेंगे वाल्मीकिनगर महिला स्वाभिमान बटालियन मुख्यालय का उद्घाटन

गरीब दर्शन/वाल्मीकिनगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को वैशाली से ऑनलाइन वाल्मीकिनगर स्थित बिहार महिला स्वाभिमान विशेष सशस्त्र पुलिस बल के नवनिर्मित मुख्यालय का उद्घाटन करेंगे। इसको लेकर शुक्रवार को प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने मुख्यालय पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एडीएम सह जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार, बगहा एसडीएम चांदनी कुमारी, विद्युत कार्यपालक अभियंता आलोक अमृतांशु और बीडीओ बिट्टू कुमार राम सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। मौके पर बटालियन की वरीय पुलिस उपाधीक्षक विनीता सिन्हा ने अधिकारियों को तैयारियों की जानकारी दी। बिहार महिला स्वाभिमान विशेष सशस्त्र पुलिस बल की समादेष्टा निर्मला कुमारी ने दूरभाष पर बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा मुख्यालय का ऑनलाइन उद्घाटन किया जाएगा। इसके लिए तैयारियां अंतिम चरण में हैं। वर्ष 2014 में बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहल पर विशेष सशस्त्र पुलिस बल का गठन किया गया था। इसके बाद वाल्मीकिनगर में बटालियन मुख्यालय का निर्माण 14 नवंबर 2023 को शुरू हुआ, जो 15 मई 2025 को पूरा हुआ। इस परिसर में प्रशासनिक भवन, मनोरंजन गृह, कक्षाएं, पुलिस भवन, आवासीय क्वार्टर, बैरक, अस्पताल, जिम, मेस, यूटिलिटी भवन, पार्क और परेड मैदान सहित कई सुविधाएं विकसित की गई हैं। यहां इनडोर और आउटडोर प्रशिक्षण की भी व्यवस्था है। फिलहाल बटालियन के दूसरे बैच में बेतिया, दरभंगा और सुपौल जिले की 659 नवनियुक्त महिला पुलिसकर्मी प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। इससे पहले पहले बैच की 266 महिला पुलिसकर्मी प्रशिक्षण पूरा कर पास आउट हो चुकी हैं। उद्घाटन के अवसर पर बटालियन के अधिकारी मनोज कुमार सिंह, श्याम सुंदर यादव सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहेंगे।

प्रखंड और अंचल कार्यालयों के एकीकरण की मांग पर जिला प्रशासन सक्रिय

गरीब दर्शन/बगहा

बगहा अनुमंडल क्षेत्र में मधुबनी और बगहा-2 प्रखंड के प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय भवन और आवासीय परिसर निर्माण का मामला फिर चर्चा में आ गया है। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों के आवेदन के बाद जिला प्रशासन ने इस दिशा में पहल तेज कर दी है। 18 नवंबर को उप विकास आयुक्त ने पत्र जारी कर दोनों प्रखंडों के बीडीओ और सीओ से तीन दिनों के भीतर संयुक्त प्रतिवेदन मांगा है। प्रखंड कार्यालय बगहा-2 को वर्तमान स्थान से दूसरी जगह स्थानांतरित करने का प्रस्ताव पहले से सिधाव में विचाराधीन है. इसके लिए वहां जमीन भी देखी गयी थी. लेकिन अब नये निर्देश के बाद वर्तमान प्रखंड परिसर के पीछे भी उपयुक्त जमीन तलाशने की चर्चा है।बताया जा रहा है कि मौजूदा परिसर के पीछे कार्यालय भवन निर्माण के लिए जरूरत के मुताबिक जमीन उपलब्ध हो सकती है. ऐसे में सिधाव में पहले से चल रहे विस्थापन प्रस्ताव और वर्तमान परिसर के पीछे जमीन तलाशने के विकल्पों में से किसे प्राथमिकता मिलेगी, यह अधिकारियों की रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

दुमही में छत के रास्ते घर में घुसे चोर, लाखों के आभूषण और 80 हजार नकदी की हुई चोरी

गरीब दर्शन/तमकुही

सीमावर्ती यूपी के सेवरही थानाक्षेत्र अन्तर्गत दुमही गांव में गुरुवार की रात चोरों ने छत के रास्ते एक घर में घुसकर लाखों रुपये के आभूषण और 80 हजार रुपये नकद चोरी कर लिया। वारदात के दौरान चोरों ने गृहस्वामी के दोनों पुत्रों के कमरों की कुंडी बाहर से बंद कर दी, ताकि किसी को भनक न लगे। शुक्रवार की सुबह करीब चार बजे परिवार के लोगों को घटना की जानकारी हुई। घर से उत्तर दिशा में लगभग 50 मीटर दूर धान के खेत में सामान निकालकर फेंका गया सूटकेस मिला। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। दुमही निवासी चिरंजीव तिवारी ने तहरीर में बताया कि गुरुवार की रात करीब 11 बजे अज्ञात चोर घर के पीछे से छत के रास्ते अंदर दाखिल हुए। इसके बाद घर में रखे सामान को खंगालते हुए एक सोने की अंगूठी, एक सोने की चेन, एक कान का टप, छह सोने की कील, दो जोड़ी चांदी की पायल, आठ जोड़ी बिछिया और 80 हजार रुपये नकद समेट ले गए।

श्रद्धा भाव से मनाया गया हरि बोधिनी एकादशी पर्व



गरीब दर्शन/वाल्मीकिनगर

कार्तिक शुक्ल एकादशी के दिन मनाया जाने वाला हरि बोधिनी एकादशी पर्व शुक्रवार को वाल्मीकि नगर तथा सीमावर्ती नेपाली क्षेत्र में बड़े ही श्रद्धा भाव से मनाया गया। महिलाओं ने नारायणी नदी के त्रिवेणी तट पर स्नान तथा पूजा पाठ कर हरि शयनी एकादशी के दिन अपने घर के आंगन में लगाए गए तुलसी के पौधा को फूल माला से सजाकर भगवान दामोदर के साथ विवाह किया ।

निर्वाचन साक्षरता कार्यक्रम में लोकतंत्र की मजबूती पर हुआ विमर्श

गरीब दर्शन/सहरसा



ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय में निर्वाचन साक्षरता कार्यक्रम के तहत निबंध और क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें तीन दर्जन से अधिक छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लेकर निर्वाचन प्रक्रिया, मतदाता सूची की शुद्धता और मतदान के महत्व पर अपनी समझ का परिचय दिया। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) कैलाश प्रसाद यादव और महाविद्यालय अर्थपाल डॉ. रत्नदीप के मार्गदर्शन में आयोजित प्रतियोगिताओं का उद्देश्य युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना और जिम्मेदार मतदाता के रूप में उनकी भूमिका को रेखांकित करना था।

निबंध प्रतियोगिता का विषय 'निर्वाचक सूची की स्वच्छता एवं मतदान का महत्व' रखा गया। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को मतदाता सूची में त्रुटिरहित नाम दर्ज कराने, निष्पक्ष निर्वाचन और मतदान में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी के महत्व से परिचित कराया गया। वहीं क्विज प्रतियोगिता में निर्वाचक सूची तैयार करने, ईवीएम और वीवीपैट, मतदान प्रक्रिया तथा मतगणना से जुड़े सवाल पूछे गए। प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) कैलाश प्रसाद यादव ने कहा कि युवा देश की नींव हैं। उनकी जागरूकता लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूती देती है।

उन्होंने छात्र-छात्राओं से निर्वाचन प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने और जागरूक मतदाता बनने का आह्वान किया।

महाविद्यालय अर्थपाल डॉ. रत्नदीप ने विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने में अपनी भूमिका निभाने की शपथ दिलाई। उन्होंने खुद जागरूक रहने के साथ आसपास के लोगों को भी मतदान और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम का समन्वयन निर्वाचन साक्षरता क्लब के समन्वयक डॉ. मिथिलेश कुमार ने किया। आयोजन में क्लब के सदस्य डॉ. कुमार गौरव, डॉ. विजय कृष्ण और डॉ. मनोज ठाकुर की सक्रिय भूमिका रही।

15 वर्षीय छात्रा का कमरे में मिला शव, मौत की वजह स्पष्ट नहीं

गरीब दर्शन/बेतिया



नगर थाना क्षेत्र के कालीबाग वार्ड नंबर चार स्थित राजेंद्र नगर मोहल्ले में 11वीं कक्षा की 15 वर्षीय छात्रा का शव कमरे में लटका हुआ मिला। घटना की सूचना मिलते ही मोहल्ले में सनसनी फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। मृतका की पहचान डुमरी महनवा गांव निवासी नंदकिशोर यादव की बेटी राधिका यादव के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, छात्रा आर्थिक तंगी के कारण कुरकुरे पैकिंग का काम करती थी। वह अपनी बड़ी बहन और जीजा के साथ राजेंद्र नगर मोहल्ले में रह रही थी। कमरे में उसका शव मिलने के बाद आसपास के लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं।

सूचना मिलने पर कालीबाग थाना की पुलिस और एफएसएल की टीम घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने मौके की जांच की और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, किशोरी की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

नाव पर ट्रैक्टर-ट्रॉली चढ़ाने के दौरान चपेट में आए नाविक, मौके पर मौत

गरीब दर्शन/बेतिया



श्रीनगर थाना क्षेत्र के सिंह घाट पर ट्रैक्टर-ट्रॉली को नाव पर चढ़ाने के दौरान हुए हादसे में 50 वर्षीय नाविक मथुरा शाह की मौत हो गई। घटना के बाद घाट पर अफरातफरी मच गई। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। मृतक की पहचान सूर्यपुर पंचायत के सिनगीही गांव निवासी मथुरा शाह के रूप में हुई है।

मृतक के छोटे भाई भारत साह ने बताया कि मथुरा शाह पिछले 25 वर्षों से सिंह घाट पर नाविक का काम करते थे। शुक्रवार को घाट पर ट्रैक्टर-ट्रॉली को नाव पर चढ़ाया जा रहा था। इसी दौरान ट्रैक्टर की चपेट में आने से उन्हें गंभीर चोट लगी और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई।

हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मथुरा शाह अपने पीछे तीन बेटे और तीन बेटियों को छोड़ गए हैं। घटना की जानकारी मिलने पर श्रीनगर थानाध्यक्ष अनिरुद्ध कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और हादसे के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। घटना से पूरे ग्रामीण इलाके में शोक की लहर है।

मंदिर की जमीन पर पार्क बनाने के विरोध में आमरण अनशन, गौशाला और यज्ञशाला निर्माण की मांग

गरीब दर्शन/बेतिया



मां काली धाम की जमीन पर पार्क बनाने के प्रस्ताव के विरोध में मां काली धाम बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले शुक्रवार को समाहरणालय के समीप आमरण अनशन शुरू किया गया। समिति के अध्यक्ष झूलन साहू और साधु गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित अनशन में करीब एक दर्जन निगम पार्षदों और सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने हिस्सा लिया। अनशनकारियों ने बेतिया नगर निगम की कार्यशैली और मेयर के रवैये पर सवाल उठाते हुए मंदिर की जमीन पर पार्क बनाने का फैसला वापस लेने की मांग की। अनशन स्थल पर प्रदर्शनकारियों ने हाथों में विभिन्न नारों की तख्तियां लेकर विरोध जताया। इनमें 'नगर निगम होश में आओ', 'मंदिर की पवित्रता से खिलवाड़ नहीं' और 'मंदिर की जमीन बेचना बंद करो' जैसे नारे शामिल थे। अनशनकारियों ने कहा कि मंदिर की जमीन पर पार्क के बजाय गौशाला, व्यायामशाला या यज्ञशाला का निर्माण कराया जाना चाहिए।

भाजपा निकाय प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक राहुल कुमार ने कहा कि नगर निगम को सड़क, नाला, पुल-पुलिया जैसे बुनियादी जनहित के कार्यों पर प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि नगर निगम ने अपना फैसला वापस नहीं लिया तो 26 नवंबर को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के प्रस्तावित कार्यक्रम में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया जाएगा। बजरंग दल के विभाग सह संयोजक रमन गुप्ता ने दावा किया कि नगर निगम की सशक्त समिति की बैठक में पार्क निर्माण को लेकर सहमति नहीं बनी थी। इसके बावजूद मेयर द्वारा मंदिर की जमीन पर पार्क बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने इसे तानाशाही रवैया बताते हुए विरोध जारी रखने की बात कही।

समिति अध्यक्ष झूलन साहू ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में मंदिर के समीप पार्क नहीं बनने दिया जाएगा। उन्होंने नजरबाग पार्क का उदाहरण देते हुए वहां होने वाली कथित अश्लील गतिविधियों पर चिंता जताई। उनका कहना था कि मंदिर परिसर के समीप पार्क बनने से धार्मिक वातावरण प्रभावित हो सकता है। उन्होंने नगर निगम से पार्क के स्थान पर गौशाला, व्यायामशाला या यज्ञशाला बनवाने की मांग की। अनशन में रमन गुप्ता, राहुल कुमार, रिंकी गुप्ता, केशव राज, मोहम्मद इनाम, अनूप राज, विनय बागी और सहमत अली सहित अन्य लोग शामिल रहे।

पालना घर योजना के तहत छह कर्मियों को मिला नियुक्ति पत्र

गरीब दर्शन/बेतिया



कामकाजी महिलाओं के छोटे बच्चों की देखभाल और सुरक्षा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से संचालित पालना घर योजना के तहत पश्चिम चंपारण में छह कर्मियों को नियुक्त किया गया है। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने शुक्रवार को अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में चयनित तीन क्रेच वर्कर और तीन सहायक क्रेच वर्कर को नियुक्ति पत्र सौंपे। नियुक्ति पत्र पाने वालों में क्रेच वर्कर के पद पर सोनी कुमारी, निशा कुमारी और आभा कुमारी तथा सहायक क्रेच वर्कर के पद पर बबिता कुमारी, मुखरानी कुमारी और अल्विनाह खातून शामिल हैं।

इस अवसर पर जिला पदाधिकारी ने सभी नवनियुक्त कर्मियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पालना घर योजना कामकाजी महिलाओं के छोटे बच्चों की देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित करने की महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से महिलाओं को अपने कार्यस्थल पर जिम्मेदारियां निभाने में सहूलियत मिलेगी। उन्होंने कर्मियों से पूरी जिम्मेदारी, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ काम करने की अपेक्षा की। जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा, उचित देखभाल, पोषण और उनके अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना कर्मियों की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। नियुक्ति पत्र मिलने पर सभी चयनित कर्मियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। उन्होंने अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाने तथा बच्चों की समुचित देखभाल सुनिश्चित करने का भरोसा दिया। मौके पर वरीय उप समाहर्ता-सह-प्रभारी जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, आईसीडीएस रोचना माद्री सहित अन्य पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।

अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र वाल्मीकि नगर का सिविल सर्जन ने किया निरीक्षण

गरीब दर्शन/वाल्मीकिनगर

- रंग रोगन करने, पोस्टर लगाने का दो दिनों के अंदर दिया निर्देश

भारत-नेपाल सीमा पर स्थित वाल्मीकि नगर के अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार के वाल्मीकि नगर में इस सप्ताह संभावित आगमन को लेकर पश्चिम चंपारण जिले के सिविल सर्जन डॉक्टर विजय कुमार ने किया। उन्होंने मौके पर मौजूद प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी हर्नाटांड़ डॉ केबीएन सिंह को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। सिविल सर्जन ने शौचालय, महिला वार्ड,पार्षद वार्ड, दंत चिकित्सा कक्ष, सामान्य चिकित्सा कक्ष, पुरुष वार्ड, दवा वितरण कक्ष, सामान्य शल्य कक्ष, स्टोर रूम, शीत गृह कक्ष का भी निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। दवा वितरण कक्ष के निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध 140 एसेंशियल ड्रग लिस्ट को लगाने का निर्देश दिया। इसके अलावा उन्होंने हो रहे दीवाल पेंटिंग का जाएजा भी लिया। उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी सभी सूचनाओं का सूचना पट्ट लगाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने इसके अलावा वेटिंग मरीज के लिए सिटिंग चेयर लगाने, सभी कक्ष के सामने पर्दा लगाने के लिए भी निर्देशित किया।इस बाबत पूछे जाने पर सिविल सर्जन डॉ विजय कुमार ने बताया कि यह रूटीन निरीक्षण है। उन्होंने यह भी बताया कि स्वास्थ्य विभाग की अपनी बिल्डिंग नहीं है।यह सिंचाई विभाग का बिल्डिंग है। इसे और बेहतर अपडेट करने हेतु निर्देशित किया गया है। इस सप्ताह स्वास्थ्य मंत्री का संभावित आगमन हो सकता है। इस अवसर पर डॉ के बीएन सिंह ,डॉ विकास कुमार ,डॉ सरिता कुमारी, डीपीसी अमित कुमार,फार्मासिस्ट अनिल कुमार,राजीव कुमार, एनओ अब्दुल कादिर के अलावा कई स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

डी. राजा ने किया शहीद जयप्रकाश नारायण भवन का उद्घाटन, बोले- शोषितों के हक के लिए संघर्ष करेगी पार्टी

गरीब दर्शन/सहरसा



भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के राष्ट्रीय महासचिव कामरेड डी. राजा के शुक्रवार को सहरसा पहुंचने पर पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जगह-जगह स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने लाल सलाम के नारों के बीच फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया।

सहरसा पहुंचने पर डी. राजा ने सबसे पहले डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद बाबू वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। फिर गांधी पथ स्थित नवनिर्मित शहीद जयप्रकाश नारायण भवन का फीता काटकर उद्घाटन किया। भवन में स्थापित शहीद जयप्रकाश नारायण के तैलचित्र पर नेताओं ने पुष्प अर्पित किए। इस दौरान पार्टी का झंडोत्तोलन कर शहीदों को श्रद्धांजलि भी दी गई।

उद्घाटन के बाद आयोजित सभा को संबोधित करते हुए डी. राजा ने कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी शहीदों की पार्टी है। यह कार्यालय समाज के शोषित, पीड़ित और वंचित लोगों की समस्याओं को लेकर संघर्ष का केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि पार्टी आम लोगों के अधिकारों की लड़ाई जारी रखेगी। सभा की अध्यक्षता कामरेड ओमप्रकाश नारायण ने की।

मौके पर सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव संजय सिंह, बिहार राज्य सचिव रामनरेश पांडेय, सदर विधायक ई. आईपी गुप्ता, सीपीएम के वरिष्ठ नेता कुलानंद यादव, राजद नेता धनिक लाल मुखिया, माले नेता कुंदन कुमार, वीआईपी नेता मिथिलेश विजय, आईआईपी नेता विद्या शर्मा और कांग्रेस नेता रंजन यादव सहित विभिन्न दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम में सीपीआई के जिला सचिव परमानंद ठाकुर समेत भावेश यादव, उमेश चौधरी, राजकुमार चौधरी, राजा भगत, शंकर कुमार, प्रभुलाल दास, मनोहर साह, शत्रुघ्न यादव, दीपनारायण यादव, रमेश यादव, खारानंद ठाकुर, चंद्रशेखर ठाकुर, सुदेशर सिंह, विघानंद यादव और विद्याधर कामत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की मौजूदगी से कार्यक्रम में कई दलों की भागीदारी भी देखने को मिली।

गर्भवती पत्नी की हत्या मामले में दोषी पति को आजीवन कारावास की हुई सजा

गरीब दर्शन/ बगहा



बगहा व्यवहार न्यायालय ने गर्भवती पत्नी की गला दबाकर हत्या करने के मामले में दोषी पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ मानवेन्द्र मिश्रा की अदालत ने पिपरासी थाना कांड संख्या 75/2025 और सत्र वाद संख्या 1357/2025 में सुनवाई पूरी करने के बाद यह फैसला सुनाया। दोषी प्रमोद यादव उर्फ भुट्टी को भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 103(1) के तहत उम्रकैद और एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गयी।

वही अदालत ने BNS की धारा 91 के तहत भी दोषी को दस वर्ष के कारावास और 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई. दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी।दर्ज मामले के अनुसार संध्या यादव अपने पति प्रमोद यादव के साथ ससुराल में रहती थी. घटना के दिन वह अपने पति के साथ घर के एक बंद कमरे में थी। बाद में संध्या का शव पति के बेडरूम में पलंग पर मिला था।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक पति फरार हो चुका था. पुलिस ने अगले दिन उसे गिरफ्तार कर लिया था. पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की गला घोंटकर हत्या की ज पुष्टि हुई थी। अपर लोक अभियोजक मन्नू राव ने बताया कि सुनवाई के दौरान अदालत ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट, परिस्थितिजन्य साक्ष्यों और घटना के बाद आरोपित के फरार होने समेत अन्य तथ्यों पर विचार किया।अभियोजन पक्ष ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपों को संदेह से परे साबित किया. इसके बाद अदालत ने प्रमोद यादव को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई।

झज्जर अस्पताल में शुरू हुई अमृत फार्मेसी, आधी कीमत तक सस्ती मिलेंगी दवाइयां

गरीब दर्शन/झज्जर

झज्जर के जिला नागरिक अस्पताल में अमृत फार्मेसी की शुरुआत हो गई है। यहां मरीजों को बाजार मूल्य की तुलना में करीब 50 प्रतिशत तक कम कीमत पर दवाइयां उपलब्ध होंगी। इससे गरीब और जरूरतमंद परिवारों को इलाज के खर्च में राहत मिलेगी। शुक्रवार को केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यमुनानगर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से वर्चुअल माध्यम से प्रदेश के 16 जिला अस्पतालों में अमृत फार्मेसियों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर झज्जर लघु सचिवालय सभागार में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में हरियाणा के सहकारिता, जेल एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने जिला नागरिक अस्पताल में अमृत फार्मेसी का उद्घाटन किया। साथ ही गांव गोधड़ी में नहरी पानी के भंडारण के लिए बनाए गए आरसीसी टैंक और संबंधित कार्यों का भी लोकार्पण किया। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और स्वच्छ पेयजल प्रत्येक नागरिक की बुनियादी जरूरत हैं। प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में आम लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है। सरकार की प्राथमिकता गरीब और जरूरतमंद लोगों को सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि झज्जर नागरिक अस्पताल में शुरू की गई अमृत फार्मेसी में



विभिन्न प्रकार की दवाइयां उपलब्ध रहेंगी। मरीज बाजार मूल्य से लगभग 50 प्रतिशत तक कम कीमत पर दवाइयां खरीद सकेंगे। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को उपचार के दौरान बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि सस्ती दरों पर दवाइयां उपलब्ध कराने की पहल स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन की पहुंच में लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। गांव गोधड़ी में पेयजल परियोजना का उद्घाटन करते हुए सहकारिता मंत्री ने कहा कि हर घर नल से जल योजना के तहत ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। गांव में 24.92 लाख लीटर क्षमता का आरसीसी जल भंडारण टैंक बनाया गया है। इससे नहरी पानी के भंडारण और ग्रामीणों तक पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। सरकार का लक्ष्य प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि, जिला परिषद चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना, वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश कौशिक, नगर परिषद चेयरमैन जिले सिंह सैनी, बहादुरगढ़ नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी, बेरी नगरपालिका चेयरमैन देवेंद्र कादयान, पूर्व चेयरपर्सन सुनीता चौहान, दिनेश शेखावत, मिथुन पार्षद, मुकुल कौशिक, राजपाल जांगड़ा और धर्मवीर जाखड़ सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। जिला प्रशासन की ओर से एसडीएम रवि मीणा, सिविल सर्जन डॉ. मंजू कादयान, जनस्वास्थ्य विभाग के अधीक्षण अभियंता अमित श्योकंद और सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता सतीश कुमार जनावा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनगणना-2027 की तैयारियों में जुटा जिला प्रशासन, 25 जनवरी से घर-घर पहुंचेंगे प्रगणक

गरीब दर्शन/झज्जर



जनगणना-2027 के दूसरे चरण की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। झज्जर जिले में 10 जनवरी से 24 जनवरी 2027 तक नागरिकों को ऑनलाइन स्व-गणना की सुविधा मिलेगी। इसके बाद 25 जनवरी से प्रगणक घर-घर जाकर जनसंख्या से संबंधित आंकड़े जुटाएंगे। इस कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के लिए शुक्रवार को डीसी एवं प्रधान जनगणना अधिकारी वर्षा खांगवाल के मार्गदर्शन में अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सीटीएम ऋतु ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए।

सीटीएम ने बताया कि हरियाणा में जनगणना के पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य पूरा किया जा चुका है। अब दूसरे चरण में वास्तविक जनसंख्या गणना की तैयारियां की जा रही हैं। झज्जर जिले में यह कार्य निर्धारित समय-सारणी के अनुसार संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि 10 से 24 जनवरी 2027 तक नागरिक ऑनलाइन माध्यम से अपनी स्व-गणना कर सकेंगे। इसके बाद 25 जनवरी से 28 फरवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर जाकर आवश्यक आंकड़े एकत्रित करेंगे। वहीं, एक मार्च से 5 मार्च 2027 तक एकत्रित आंकड़ों का अंतिम मिलान और आवश्यक संशोधन किया जाएगा। सीटीएम ऋतु ने बताया कि जनगणना के सुचारू संचालन के लिए जिले में नियमानुसार गणना ब्लॉक बनाए गए हैं। उन्होंने सभी चार्ज अधिकारियों और तकनीकी टीम को प्रशासनिक, तकनीकी तथा अन्य व्यवस्थागत तैयारियां समय रहते पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है और इसमें प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, त्रुटिरहित और समयबद्ध तरीके से संपन्न हो सके। बैठक में डीईओ रतिंद्र सिंह, डीआईपीआरओ दिनेश कुमार, डीएसओ युद्धबीर नांदल, नोडल अधिकारी मोहित सहित सभी चार्ज अधिकारी उपस्थित रहे।

नशे से दूर रहकर शिक्षा और खेल पर दें ध्यान, छात्राओं को थाना प्रभारी ने किया जागरूक

गरीब दर्शन/कोसली



शहीद मेजर विकास यादव राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कोसली थाना प्रभारी विद्यासागर ने छात्राओं से संवाद कर उन्हें नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया और नशे से दूर रहने का आह्वान किया। थाना प्रभारी विद्यासागर ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर अपनी ऊर्जा शिक्षा, खेल और सकारात्मक गतिविधियों में लगानी चाहिए। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें। कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी ने छात्राओं को नशे के खिलाफ शपथ दिलाई। छात्राओं ने नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने और दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय प्रभारी बाल योगेश्वर, प्रवक्ता नीलम रानी, सुभाषचंद्र, रेणु कुमारी, मनीषा कुमारी, सुमन, पुष्पा, सरिता, भूपेंद्र, कृष्ण और पीटीआई नरेंद्र सहित विद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया जिला कारागार का औचक निरीक्षण, बंदियों को दी मुफ्त कानूनी सहायता की जानकारी

गरीब दर्शन/झज्जर



जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजकुमार यादव ने प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी विशाल के साथ जिला कारागार झज्जर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जेल की व्यवस्थाओं, बंदियों को मिलने वाली सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि बंदियों के मानवाधिकारों का पूरा सम्मान किया जाए तथा जेल परिसर में स्वच्छता और बेहतर व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। निरीक्षण के दौरान सीजेएम विशाल ने बंदियों को मुफ्त कानूनी सहायता के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक तंगी या अन्य असमर्थताओं के कारण कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे। जिन बंदियों के पास निजी अधिवक्ता रखने के लिए पर्याप्त साधन नहीं हैं, उन्हें प्राधिकरण की ओर से पैनल अधिवक्ता के माध्यम से निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। न्यायिक अधिकारियों ने जेल की विभिन्न बैरकों, परिसर, रसोईघर और जेल अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता और बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान बंदियों के भोजन में उड़द की दाल, पेठे की सब्जी और रोटी बनाई गई थी। अधिकारियों ने जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि जरूरतमंद बंदियों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए और भोजन की गुणवत्ता बनाए रखी जाए। इस दौरान सीजेएम विशाल ने बताया कि जिला कारागार में बंदियों के मनोरंजन और मानसिक तनाव कम करने के उद्देश्य से रेडियो जॉकी की शुरुआत की गई है। इसे जेल के प्रत्येक ब्लॉक की बैरक से जोड़ा गया है, ताकि सभी बंदी इसका लाभ उठा सकें और मानसिक रूप से राहत महसूस कर सकें। सीजेएम ने बंदियों से अपने आचरण में सुधार लाने और जेल से बाहर निकलने के बाद समाज की मुख्यधारा से जुड़कर बेहतर जीवन जीने का संकल्प लेने की अपील की। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, झज्जर की ओर से कानूनी सहायता एवं जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 01251-252013 जारी किया गया है।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने और सुधार के लिए 21 व 22 नवंबर को विशेष अभियान

गरीब दर्शन/मांझागढ़/गोपालगंज



मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर शुक्रवार को मांझागढ़ प्रखंड कार्यालय के सभागार में बीडीओ वैभव शुक्ला ने बीएलओ के साथ बैठक की। इसमें मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन के बाद होने वाली आगे की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि 12 नवंबर 2026 को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित किया जा चुका है। अब 21 और 22 नवंबर को सभी मतदान केंद्रों पर विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान मतदाता सूची में नाम जोड़ने, नाम हटाने और नाम सहित अन्य विवरणों में सुधार के लिए आवेदन लिए जाएंगे। विशेष अभियान में वैसे युवा भी मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन कर सकेंगे, जो एक जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे हैं। बीडीओ वैभव शुक्ला ने सभी बीएलओ को निर्देश दिया कि वे निर्धारित दोनों दिनों में अपने-अपने मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहें और पात्र लोगों से आवेदन प्राप्त करने में तत्परता बरतें। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी योग्य नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रह जाए।

जनता की संतुष्टि से तय होगी समाधान शिविरों की सफलता, शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : एडीसी

गरीब दर्शन/झज्जर



समाधान शिविरों की सफलता केवल शिकायतों के निपटारे से नहीं, बल्कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि से तय होगी। अधिकारी प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उसका समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करें। दोबारा खुलने वाली शिकायतों (रिओपन) को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। यह निर्देश एडीसी जगनिवास ने शुक्रवार को लघु सचिवालय सभागार में आयोजित समाधान शिविर की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर प्रदेशभर में प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को जिला मुख्यालय के साथ सभी उपमंडल स्तरों पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का एक ही मंच पर त्वरित, पारदर्शी और संतोषजनक समाधान करना है। इसके लिए प्राप्त शिकायतों की नियमित समीक्षा की जा रही है।

एडीसी ने विभागवार शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से उनके निस्तारण की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि शिकायत का समाधान होने के बाद उसकी एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) बिना किसी देरी के संबंधित पोर्टल पर अपलोड की जाए और कार्यालय को भी भेजी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। प्रत्येक अधिकारी अपनी जिम्मेदारी समझते हुए नागरिकों को राहत पहुंचाने के लिए गंभीरता से काम करे। बैठक में सीटीएम ऋतु, डीडीपीओ निशा तंवर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री राव राम नारायण की स्मृति में कोसली में ई-पुस्तकालय शुरू, सैकड़ों बुजुर्गों और प्रतिभाओं का सम्मान

गरीब दर्शन/कोसली

शिक्षा और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने की दिशा में कोसली में महत्वपूर्ण पहल की गई है। प्रसिद्ध समाजसेवी एवं शिक्षा प्रेमी पूर्व मंत्री स्वर्गीय राव राम नारायण की स्मृति में स्थापित ई-पुस्तकालय का लोकार्पण किया गया। ग्रामीण उत्थान-भारत निर्माण संस्था की ओर से आयोजित समारोह में एसडीएम विजय कुमार यादव ने पुस्तकालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रतिभा प्रोत्साहन एवं सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्र की सैकड़ों प्रतिभाओं, खिलाड़ियों और बुजुर्गों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महंत शिवपुरी महाराज ने आशीर्वचन दिए, जबकि समारोह की अध्यक्षता मेजर (डॉ.) टीसी राव ने की। मुख्य वक्ता राजकीय महाविद्यालय कोसली की प्राचार्या डॉ. लाज कौशल ने कहा कि ई-पुस्तकालय ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगा। यहां उपलब्ध सुविधाओं से विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद मिलेगी। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन और निरंतर मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया। डॉ. टीसी राव की ओर से स्थापित इस ई-पुस्तकालय में 60 विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। यहां वातानुकूलित कक्ष, वाई-फाई, पुस्तकें और स्टेशनरी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई



हैं। कार्यक्रम के दौरान डॉ. टीसी राव द्वारा लिखित पुस्तक का भी लोकार्पण किया गया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में कोसली के डीएसपी विद्यानंद उपस्थित रहे। इस अवसर पर क्षेत्र के सैकड़ों बुजुर्गों, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों और खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया गया। वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के साथ प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना समाज के विकास के लिए जरूरी है। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वर्गीय राव राम नारायण के सामाजिक और शैक्षणिक योगदान को याद करते हुए उनके विचारों को आगे बढ़ाना भी रहा। समारोह में सरपंच रामकिशन जांगड़ा, संजय यादव, हेडमास्टर सज्जन सिंह यादव, डॉ. प्रीति धनखड़, प्राचार्य सुनील यादव, ओमप्रकाश डाबला, कैप्टन सुभाष यादव, डॉ. जयभगवान भारद्वाज, सूबेदार अमरसिंह यादव, सूबेदार महेंद्र सिंह, दुलीचंद यादव, विजय कुमार यादव, शिवसाह यादव, महाबीर यादव, शिला यादव, सरिता शेखावत, नरेंद्र यादव, कैप्टन सहीराम यादव, धर्म सिंह यादव, मास्टर प्रहलाद सिंह तथा ग्रामीण क्षेत्रीय एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष संजय यादव सहित संस्था के सदस्य और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कोहरे से पहले दुरुस्त होंगी सड़कें, ब्लैक स्पॉट पर होंगे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम : एसडीएम

गरीब दर्शन/झज्जर



सर्दियों में कोहरे के कारण होने वाले सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। दुर्घटना संभावित स्थानों यानी ब्लैक स्पॉट पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के साथ प्रमुख सड़कों पर संकेतक, रिफ्लेक्टर और लाइटिंग व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। शुक्रवार को लघु सचिवालय में आयोजित सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए एसडीएम रवि मीणा ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को ये निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और लोगों की जान बचाने के लिए सभी विभाग अपनी जिम्मेदारी गंभीरता से निभाएं। जिले में जिन स्थानों पर बार-बार हादसे होते हैं, उन्हें ब्लैक स्पॉट के रूप में चिह्नित कर तत्काल सुधारात्मक कार्य करवाए जाएं। ब्लाइंड मोड़, तीखे घुमाव, अवैध कट और सड़कों के किनारे झाड़ियों व पेड़ों की टहनियों से होने वाली रुकावटों को प्राथमिकता से हटाया जाए। उन्होंने सड़कों पर रोड मार्किंग, कैट्स आई, रिफ्लेक्टर, साइन बोर्ड और चेतावनी संकेतक लगाने के निर्देश भी दिए। एसडीएम ने कहा कि कोहरे का मौसम शुरू होने से पहले प्रमुख सड़कों पर पर्याप्त रोशनी और सुरक्षा उपकरणों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों का नियमित निरीक्षण कर कमियों को समयबद्ध तरीके से दूर करवाएं। यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्ती के निर्देश देते हुए एसडीएम ने पुलिस विभाग से तेज गति, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल, नशे में ड्राइविंग तथा हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन करवाने के साथ वाहन चालकों को जागरूक करना भी जरूरी है।

एसडीएम ने स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाने तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों का नियमित निरीक्षण करने पर जोर दिया। उन्होंने सभी विभागों को आपसी तालमेल से कार्ययोजना तैयार कर सड़क सुरक्षा से जुड़े कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरे करने के निर्देश दिए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बाइक सवारों नें दिनदहाड़े महिला से लाखों के आभूषण की छिनतई

पीड़िता ने थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की लगाई गुहार

गरीब दर्शन /मोहानियाँ /कैमूर



मोहनियां थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े बाइक सवार दो अज्ञात अपराधियों ने एक महिला को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सोने के आभूषण छीन लिए और फरार हो गए। घटना भभुआ-मोहनियां पथ पर हुई। दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने महिला सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अपराधियों के बढ़ते हौसले का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बदमाशों नें खुलेआम पुलिस सुरक्षा व्यवस्था को ललकारते हुए घटना को अंजाम दिया। मामले में पीड़िता प्रियंका प्रियदर्शिनी ने मोहनियां थाने में लिखित आवेदन देकर पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई है। थाने में दिए गए आवेदन के अनुसार, पीड़िता अंवारी गांव की निवासी हैं। घटना के समय वह कंप्यूटर क्लास कर घर लौट रही थीं। इसी दौरान भभुआ-मोहनियां पथ पर एक बाइक पर सवार दो अज्ञात अपराधी उनके समीप पहुंचे और बाइक रोककर योगा क्लास के बारे में पूछताछ करने लगे।

पीड़िता के मुताबिक, वह कुछ समझ पातीं, इससे पहले ही दोनों अपराधियों ने उनके गले से सोने की चेन, हाथ से सोने की अंगूठी और कान से सोने के झुमके छीन लिए। आवेदन में सोने की चेन की कीमत करीब चार लाख रुपये, अंगूठी की कीमत 50 हजार रुपये और झुमके की कीमत करीब एक लाख 20 हजार रुपये बताई गई है। इस प्रकार पीड़िता के अनुसार कुल करीब पांच लाख 70 हजार रुपये के आभूषण की छिनतई हुई है। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधियों ने पीड़िता को किसी को घटना की जानकारी देने पर बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी और बाइक से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़िता ने डायल 112 पर सूचना दी, जिसके आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। इसके बाद पीड़िता ने मोहनियां थाने में लिखित आवेदन देकर मामले में उचित कार्रवाई करने की मांग की है। दिनदहाड़े इस तरह की घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। अब देखना यह है कि पुलिस दोनों अज्ञात अपराधियों की पहचान कर उन्हें कब तक गिरफ्तार कर पाती है।



सैनिक का किरदार निभाने के लिए सलमान ने घंटों तक कड़ाके की ठंड का सामना किया

सलमान खान स्टारर फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' का पहला टीजर और पोस्टर जब से रिलीज़ हुआ है, तब से दर्शकों के बीच फिल्म को देखने की बेसब्री बढ़ती जा रही है। शुरुआती झलकियों ने दर्शकों को फिल्म की दुनिया से रूबरू कराया, जिसके बाद से ही दर्शक फिल्म से जुड़ी और चीजें देखने का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के जबरदस्त स्केल ने पहले से ही फैंस के बीच चर्चा शुरू कर दी है, डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने बिहाइंड द सींस डिटेल्स के बारे ने बात की और बताया है कि कैसे फिल्म की मेकिंग धैर्य और ईमानदारी को पेश करती है। इंटेंस एक्शन से लेकर ट्रेलर में अब तक नजर आए मुश्किल जगहों पर की गई शूटिंग, यह बताती है कि टीम ने किसी भी तरह के शॉर्टकट को अपनाने से इंकार किया है, और इस तरह से उन्होंने हर फ्रेम में जान डालने के लिए असली, सख़्त मौसम को इनडोर के आराम के सामने चुना है।

फिल्म के सबसे मुश्किल सीक्वेंस के बारे में बात करते हुए डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने कहा है , 'शुरुआत में हमने इस सीक्वेंस की शूटिंग मुंबई के एक स्टूडियो में करने का प्लान बनाया था, लेकिन सलमान सर से बात करने के बाद हमें समझ आ गया कि सेट पर शूट करने से वह असली एहसास नहीं आएगा। इसलिए हम बाहर गए और सितंबर एंड में इसकी शूटिंग की। उस समय पानी का तापमान लगभग जीरो डिग्री के आसपास रहा होगा। सलमान खान को अपने फिजिकली डिमांडिंग रोल्स में जीजान लगाने के लिए जाना जाता है, और ऐसे में मातृभूमि में वॉर रेस्ट इन पीस के लिए, उनके द्वारा लिया गया स्टूडियो से बाहर शूट करने का फैसला उनकी फिल्म के लिए कमिटमेंट को दर्शाता है। एक सैनिक का किरदार निभाने के लिए सुपरस्टार और उनके को-एक्टर्स कलाकारों ने घंटों तक कड़ाके की ठंड का सामना किया। वे भीगी हुई वर्दी में ही शॉट्स के बीच खाना खाते थे, ताकि पर्दे पर उनका संघर्ष और भावनाएं दर्शकों को बिल्कुल असली महसूस हों।



टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट के कवर पर मिली आलिया को जगह

बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री आलिया भट्ट के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। अपनी शानदार अदाकारी और अलग-अलग तरह के किरदारों से दर्शकों का दिल जीतने वाली आलिया अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्हें टाइम मैगजीन की पहली टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट के कवर स्टार के तौर पर जगह मिली है। मैगजीन ने फिल्म इंडस्ट्री में उनके सफर, फिल्मों में उनके किरदारों के चुनाव और फिल्म सेट पर महिलाओं के लिए बेहतर कामकाजी माहौल की वकालत करने के उनके प्रयासों को सराहा है।

आलिया को बताया 'बॉलीवुड आइकन'

टाइम मैगजीन ने इंस्टाग्राम पर आलिया को कवर स्टार घोषित करते हुए उन्हें 'बॉलीवुड आइकन' बताया। मैगजीन ने लिखा, 'हमारी पहली टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट की कवर स्टार से मिलिए, बॉलीवुड आइकन आलिया भट्ट।' इसके साथ ही प्रकाशन ने इस बात पर भी गौर किया कि कैसे आलिया ने इंडस्ट्री में एक नई कलाकार के तौर पर शुरुआत की और धीरे-धीरे चुनौतीपूर्ण और अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान बनाई। आलिया भट्ट ने साल 2012 में करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से बतौर लीड एक्ट्रेस बॉलीवुड में कदम रखा था। हालांकि, साल 2014 में इम्तियाज अली की फिल्म 'हाईवे' उनके करियर का अहम मोड़ साबित हुई। इस फिल्म में उन्होंने वीरा त्रिपाठी का किरदार निभाया था, जो किडनैप होने के बाद खुद को समझने और अपनी जिंदगी को नए नजरिए से देखने का सफर तय करती है। इस फिल्म ने दर्शकों के बीच आलिया की अभिनय क्षमता को लेकर बनी धारणा बदल दी। मैगजीन के मुताबिक, आलिया का फिल्मी सफर ऐसे दौर में आगे बढ़ा, जब बॉलीवुड का पारंपरिक स्टार सिस्टम बदल रहा था और कलाकारों के सामने एक नई तरह की सेलिब्रिटी संस्कृति की चुनौतियां थीं। 'हाईवे' के बाद आलिया ने लगातार ऐसे किरदार चुने, जिनमें उन्हें अपनी अभिनय क्षमता दिखाने का मौका मिला। फिल्म 'उड़ता पंजाब' में उन्होंने पंजाब के ड्रग्स कारोबार के बीच फंसी बिहार की एक प्रवासी मजदूर का किरदार निभाया। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस का अवार्ड भी मिला।

कमर्शियल फिल्मों में भी आलिया ने किया काम

अपने करियर में आलिया ने जहां '2 स्टेट्स' जैसी कमर्शियल फिल्मों में काम किया, वहीं 'राजी', 'डियर जिंदगी' और 'गली बॉय' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों और समीक्षकों का ध्यान खींचा। अलग-अलग जॉनर की फिल्मों में काम करके उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित की है। सिर्फ फिल्मों ही नहीं, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए बेहतर कामकाजी माहौल बनाने की पैरवी को लेकर भी आलिया चर्चा में रही हैं। खासतौर पर फिल्म सेट पर महिलाओं की सुविधाओं और उनके काम करने की परिस्थितियों को बेहतर बनाने की दिशा में उनकी आवाज को मैगजीन ने अहमियत दी है। हाल ही में आलिया मुंबई में आयोजित अर्थशॉट प्राइज 2026 के ग्रीन कार्पेट पर भी अपने लुक को लेकर चर्चा में रही थीं। इस दौरान वह डिजाइनर रितु कुमार के तैयार किए गए ब्लैक और एंटीक गोल्ड रंग के बेहद खूबसूरत आउटफिट में नजर आई थीं।



रामायण में मैंने मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से जो कुछ भी दे सकता था, दिया

निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में अभिनेता रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस किरदार को निभाना उनके लिए अपनी इच्छा पूरी करने से ज्यादा महाकाव्य की सेवा करने का मौका था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'एक अभिनेता के तौर पर आप ऐसा काम करें कि दर्शक उसे इस तरह से महसूस करें, कि वे आपको आकर बताएं। इससे बड़ा तोहफा और क्या ही हो सकता है। सच कहूं, तो ये सब लिखते हुए मुझे यकीन नहीं हो रहा है लेकिन मन में कृतज्ञता है। लक्ष्मण की खुद के लिए कोई इच्छा नहीं थी, वो श्री राम और मां सीता के एक कदम पीछे खड़े होकर खुश थे, जब भी उनकी जरूरत हो, कर्तव्य पालन के लिए तैयार रहते थे। उन्होंने किरदार निभाने को लेकर बताया कि लक्ष्मण ने अभी तक जो किया, मैं बस वही सेवा और कर्तव्य की भावना रामायण में लाना चाहता था। उन्होंने लिखा, 'मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से मैं, जो कुछ भी दे सकता था, मैंने दिया। सच में मैं चाहता था लेकिन आप सबने मुझे इससे कहीं ज्यादा दे दिया।' रवि दुबे ने कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 'मुकेश भाई, आपके उस कॉल ने सच में मेरी जिंदगी बदल दी, जिसके लिए मैं आपका आभारी हूं। नमित मल्होत्रा सर, नितेश तिवारी सर, आप लोग बहुत ही खास इंसान हैं और मैं आपका कर्जदार हूं कि आपने मुझे दुनिया के सबसे बेहतरीन कलाकारों के साथ एक सेट पर रखा। एक ऐसा सेट जहां मैं सबसे जूनियर और सबसे कम अनुभवी था, फिर भी जिस दिन से मैं वहां गया, आपने मुझे उतना ही प्यार, सम्मान और अपने काम को करने के लिए उतनी ही जगह दी।' अभिनेता ने वरिष्ठ कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बताते हुए कहा कि शुरुआत में वे काफी डरे हुए थे। उन्होंने कहा, 'मैं डरा हुआ था कि कहीं मैंने इन शानदार लोगों को निराश तो नहीं कर दिया, जिन्होंने मुझ पर इतनी बड़ी जिम्मेदारी के साथ भरोसा किया? कहीं मैंने बहुत कम तो नहीं कर दिया? कहीं मैंने ज्यादा तो नहीं कर दिया? कहीं मैंने लक्ष्मण के साथ, रामायण के साथ अन्याय तो नहीं कर दिया? और फिर आपका प्यार और साथ मिला। काश मैं आपमें से हर एक को बता पाता कि इसने मेरे लिए क्या किया है। इसमें बहुत खुशी है लेकिन इसमें एक बहुत ही कोमल सी राहत भी है। राम कथा की थोड़ी सी भी सेवा करके मेरा दिल भर गया है।

धनश्री वर्मा की साउथ सिनेमा में शुरुआत

तेलुगु फिल्म 'हे कन्नम्मा' में नजर आएंगी

धनश्री वर्मा अपने करियर में एक नया अध्याय शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। डांसर और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी धनश्री ने 'हे कन्नम्मा' फिल्म के साथ तेलुगू सिनेमा में लीड एक्ट्रेस के तौर पर अपनी शुरुआत करने की घोषणा की है। इस फिल्म को 'दिल राजू प्रोडक्शंस' का सपोर्ट हासिल है। मेकर्स ने फिल्म का टीजर भी रिलीज कर दिया है। यह फिल्म 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में यश मास्टर और कार्तिका मुरलीधरन भी नजर आएंगे। धनश्री वर्मा ने इंस्टाग्राम पर यह घोषणा शेयर की और इस प्रोजेक्ट को लेकर अपना उत्साह जताया। इसे एक बेहद खास सफर बताते हुए, उन्होंने कहा कि वह दर्शकों को बड़े पर्दे पर यह फिल्म देखते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं।

फिल्म के टाइटल की घोषणा करते हुए उन्होंने लिखा, 'और आखिरकार ऐसा हो ही रहा है! लीड एक्टर के तौर पर मेरी पहली फिल्म। तेलुगू फिल्म में मेरा डेब्यू। और शुरुआत भी कितनी शानदार है — दिल राजू प्रोडक्शंस के साथ।'

अभिनेत्री ने फिल्म का आधिकारिक टीजर भी शेयर किया, जिससे दर्शकों को उनके नए प्रोजेक्ट की एक झलक मिली। उन्होंने इसे एक नई शुरुआत बताया क्योंकि वह अपने पहले मुख्य किरदार के साथ तेलुगु सिनेमा में कदम रख रही हैं। टीजर शेयर करते हुए, धनश्री ने इस सफर का हिस्सा बनने के लिए पूरी टीम को धन्यवाद दिया। अपनी पोस्ट में धनश्री ने लिखा, 'एक बहुत ही खास नई शुरुआत की एक छोटी सी झलक! पेश है मेरी तेलुगु डेब्यू फिल्म हेकन्नम्मा का आधिकारिक टीजर। इसमें मुझे शानदार 'दिल राजू प्रोडक्शंस' के साथ एक मुख्य अभिनेत्री के तौर पर एक बिल्कुल नई दुनिया में कदम रखने का मौका मिला है। यह एक ऐसा सफर है जो मेरे दिल के बहुत करीब है।'



'कॉफी विद करण' का 22 साल का सफर अब हो रहा है खत्म

फिनाले में शाहरुख खान के साथ नजर आएंगे यश और रूही



करण जौहर का चर्चित चैट शो 'कॉफी विद करण' अब अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया है. करीब 22 साल तक बॉलीवुड सितारों की जिंदगी से जुड़े दिलचस्प किस्से सामने लाने वाले इस शो का सीजन 9 आखिरी होने वाला है. ऐसे में करण जौहर अपने शो को यादगार अंदाज में विदाई देने की तैयारी कर रहे हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो फिनाले एपिसोड में बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान खास अंदाज में नजर आएंगे. इतना ही नहीं, करण के दोनों बच्चे यश और रूही भी पहली बार इस शो का हिस्सा बनेंगे.

फिनाले में शाहरुख खान की होगी खास एंट्री

रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख खान फिनाले एपिसोड में करण जौहर के साथ कॉफी काउच पर दिखाई देंगे. हालांकि, वह पूरे एपिसोड में नहीं रहेंगे, बल्कि कुछ समय के लिए अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे. शाहरुख के साथ इस खास एपिसोड में करण के जुड़वां बच्चे यश और रूही भी नजर आएंगे. यह दोनों का टेलीविजन डेब्यू होगा. इस एपिसोड को लेकर सबसे खास बात यह है कि शाहरुख खान ही साल 2004 में शुरू हुए 'कॉफी विद करण' के पहले मेहमान बने थे. अब शो के आखिरी सीजन में उनकी वापसी से इसकी शुरुआत और विदाई के बीच एक खूबसूरत कनेक्शन बन जाएगा.

बेटी सुहाना खान भी हो सकती हैं शामिल

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी इस बातचीत का हिस्सा बन सकती हैं. बताया जा रहा है कि इस एपिसोड की शूटिंग उस समय हुई, जब शाहरुख अपनी फिल्म 'किंग' की शूटिंग में व्यस्त थे. काम की व्यस्तता के चलते वह पूरे एपिसोड के लिए समय नहीं निकाल पाए और कुछ देर के लिए शो में शामिल हुए.

सीजन 9 में नजर आए ये सितारे

'कॉफी विद करण 9' के इस सीजन में अब तक कई बड़े बॉलीवुड सितारे अपनी जिंदगी और करियर से जुड़े किस्से साझा कर चुके हैं. इनमें सलमान खान, वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, करीना कपूर, सैफ अली खान, कियारा आडवाणी, सिद्धार्थ मल्होत्रा, विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना जैसे नाम शामिल हैं. वहीं, आने वाले एपिसोड्स के लिए सारा अली खान और इब्राहिम अली खान, समय रैना, दिलजीत दोसांझ और डिंपल कपाड़िया जैसे सितारों के नाम भी चर्चा में हैं. हालांकि, इनकी मौजूदगी को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.



मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी एवं संपादक विकाश कुमार राय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड नियर वंश हॉस्पिटल, दरभंगा रोड (पटियासा), मुजफ्फरपुर, बिहार , पिन कोड - 843103 से मुद्रित तथा ग्राम + पोस्ट - भादा , वार्ड नं - 04 , कपिलदेव राय टोला , थाना - हरसिद्धि, पूर्वी चंपारण , बिहार , पिन कोड - 845417 से प्रकाशित , संपादक - विकाश कुमार राय , मोबाइल / ह्वाट्सप नं - 9155827409, RNI NO - BIHHIN/2021/80713, संस्थापक सह मुख्य संपादक : रितु रंजन कुमार , प्रधान संपादक : सुभाष पाण्डेय , प्रबंध संपादक : दिग्विजय भारद्वाज। नोट : इस समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के कानूनी विवादों का न्याय क्षेत्र मोतिहारी होगा तथा उनका निपटारा व्यवहार न्यायालय, मोतिहारी (पूर्वी चंपारण) के न्यायिक क्षेत्राधिकार के अंतर्गत किया जाएगा। इस अंक में प्रकाशित लेख, समाचार, विचार एवं टिप्पणियों से संपादक अथवा प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। प्रकाशित समाचारों एवं लेखों की सत्यता, तथ्यात्मकता तथा उनमें व्यक्त विचारों की संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित लेखक / संवाददाता की होगी। इस समाचार पत्र में कार्यरत सभी पद पूर्णतः अवैतनिक हैं।